पीएम मोदी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि खुशी के पल अगर हिमाचल में आकर बिताने को मिलें तो इससे बेहतर कुछ नहीं है।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 168 दिनांक:01-06-2022 बुधवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

मूसेवाला हत्या में मिले अहम सुराग, सीसीटीवी फुटेज से हत्यारों की पहचान, जल्द गिरफ्तारी संभव

मेरा संकल्प है कि हर नागरिक की सेवा करता रहूं : पीएम मोदी

-केंद्र सरकार के 8 साल पूरे होने पर पीएम ने शिमला से किया संबोधित

शिमला (ईएमएस)। केंद्र सरकार के 8 साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान से देशवासियों को संबोधित किया। पीएम मोदी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि खुशी के पल अगर हिमाचल में आकर बिताने को मिलें तो इससे बेहतर कुछ नहीं है। शिमला की धरती मेरी कर्मभूमि रही है। ये मेरे लिए देवभूमि है। देशवासियों से यहां से बात करना खुशी की बात है। केंद्र सरकार के 8 साल पूरे होने पर यहां कार्यक्रम होना खुशी की बात है। पीएम मोदी ने कहा कि मैं जो कुछ भी कर रहा हूं ये सब आपकी वजह से ही संभव है।

उन्होंने कहा कि जब फाइल पर साइन करता हूं तब तो जिम्मेदारी होती है, लेकिन जब फाइल चली जाती है तो आपके परिवार का सदस्य बन जाता हूं। 130 करोड़ भारतीयों के परिवार का हिस्सा बन जाता हूं। पीएम बोले कि मैं शिमला से अपना संकल्प दोहराऊंगा। मेरा संकल्प है कि हर नागरिक की सेवा करता रहूं। उन्होंने कहा कि हम देश को उस ऊंचाई तक पहुंचाएंगे जो आजादी के दीवानों ने देखा था। 2014 से पहले अखबारों की हेडलाइन लूट खसोट, भ्रष्टाचार, भाई भतीजावाज, अटकी-लटकी-भटकी योजनाओं की होती थीं। लेकिन अब वक्त बदल गया है। अब विश्व में भारत की चर्चा होती है। पहले योजनाओं का पैस जरूरतमंद तक पहुंचने से पहले लुट जाता था। लेकिन अब ऐसा नहीं है। पीएम ने कहा कि आज भारत मजबूरी में नहीं मदद करने के लिए हाथ बढ़ाता है।

पहले खुले में शौच की बेबसी थी, अब सम्मान से जीने की आजादी है, पहले ट्रिपल तलाक का डर था, अब अधिकारों की लड़ाई लड़ने का हौसला है। पहले देश की सुरक्षा को लेकर चिंता थी, अब हमारी सीमाएं सुरक्षित हैं, सर्जिकल स्ट्राइक पर गर्व है। 10 करोड़ से अधिक किसानों के खाते में 21 हजार करोड़ रुपये ट्रांसफर हो गए हैं। बीते 8 साल में हमने डीबीटी के जरिए 22 लाख करोड़ से ज्यादा सीधे देशवासियों के अकाउंट में ट्रांसफर किए। पहले 100 पैसे में 85 पैसे लापता हो जाता था, अब जितने पैसे भेजे वह पूरे और सही पते पर लाभार्थी के खाते में भेजे गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शिमला के एतिहासिक रिज मैदान पर पहुंच चुके हैं। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने पीएम मोदी को फूलों का गुलदस्ता भेंट किया। इससे पहले पीएम मोदी का हेलिकॉप्टर अनाडेल मैदान में उतरा। यहां से पीएम का काफिला विधानसभा गेट से होते हुए माल रोड तक पहुंचा। सीटीओ चौक से नरेंद्र मोदी का रोड शो शुरू हुआ। सुरक्षा कर्मी वाहन के साथ चलते रहे। वहीं बैरिकेड के दूसरी ओर खड़ी भीड़ पीएम के वाहन पर फूलों की बारिश करती रही। फूलों की बारिश करते हुए स्वागत है जी स्वागत है के नारे पीएम के सम्मान में लगाए गए।

आठ बुनियादी उद्योगों के उत्पादन में 8.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोयला, रिफाइनरी उत्पाद और बिजली क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन से आठ बुनियादी उद्योगों के उत्पादन में अप्रैल 2022 में अप्रैल 2021 के मुकाबले 8.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह पिछले छह माह में सबसे अधिक है। मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2022 में कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, स्टील, सीमेंट और बिजली जैसे आठ बुनियादी ढांचागत क्षेत्रों के उत्पादन में 4.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।

निम्न तुलनात्मक आधार के कारण अप्रैल 2021 के दौरान इन प्रमुख क्षेत्रों में असाधारण रूप से 62.6 प्रतिशत की उच्च वृद्धि हुई थी। अप्रैल 2020 में कोविड-19 महामारी की रोकथाम के लिये लगाये गये देशव्यापी 'लॉकडाउन' के कारण कारोबारी गतिविधियां पूरी तरह से बंद रही थी। बुनियादी उद्योगों के उत्पादन में यह वृद्धि अक्टूबर, 2021 के बाद से सबसे अधिक है। तब आठ प्रमुख क्षेत्रों में 8.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।

आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल 2022 में कोयला उत्पादन में 28.8 प्रतिशत, बिजली उत्पादन में 10.7 प्रतिशत, पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पादन में 9.2 प्रतिशत, प्राकृतिक गैस उत्पादन में 6.4 प्रतिशत, उर्वरक में 8.7 प्रतिशत और सीमेंट उत्पादन में आठ प्रतिशत की वृद्धि हुई। वहीं दूसरी तरफ, कच्चे तेल का उत्पादन अप्रैल में 0.9 प्रतिशत घट गया।

अब पंजाबी गायक मनकीरत औलख को भी जान से मारने की धमकी मिली

नई दिल्ली (ईएमएस)। अब पंजाबी गायक मनकीरत औलख को भी जान से मारने की धमकी मिली है। धमकी मिलने के बाद औलख ने पंजाब पुलिस से सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है। बताया जाता है कि बंबीहा गैंग की तरफ से यह धमकी पिछले महीने अप्रैल में दी गई थी। औलख को कथित तौर पर देविंदर बंबीहा की अगुवाई वाले गिरोह से धमकी मिली है। देविंदर वर्ष 2016 में पंजाब पुलिस के एक एनकाउंटर में मारे जाने से पहले चंडीगढ़, मोहाली और पंचकूला में जबरन वसूली रैकेट चलाता था। इसके बाद से सहयोगी दिलप्रीत और सुखप्रीत उर्फ बुद्धा जेल के अंदर से यह गैंग चला रहे हैं।

ज्ञात रहे कि दिल्ली के रोहिणी कोर्ट में हुए शूटआउट, जिसमें गैंगस्टर जितेंद्र गोगी की हत्या की गई थी, बंबीहा गैग की ओर से ही प्लान किया गया था।

रविवार को पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसे वाला की पंजाब के मानसा में अपनी एसयूवी से सफर करते समय गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मूसेवाला को एक स्वचालित असॉल्ट राइफल से 30 गोलियां मारी गई थीं। मूसे वाला ने इस साल के शुरुआत में कांग्रेस के टिकट पर पंजाब का विधानसभा चुनाव लड़ा था।

पंजाब पुलिस ने मूसे वाला मर्डर मामले में मनप्रीत नाम के शख्स को गिरफ्तार किया , उसे कल उत्तराखंड से पकड़ा गया था। मनप्रीत को आज कोर्ट में पेश किया गया जहां से उसे 5 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया।

पंजाब पुलिस ने सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में देहरादून से पांच संदिग्धों को हिरासत में लिया

देहरादून (ईएमएस)। पंजाब पुलिस ने पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या के सिलसिले में देहरादून से पांच संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लिया है। यहां एक पुलिस अधिकारी ने नाम उजागर न किए जाने की शर्त पर बताया कि 5 लोगों को यहां शिमला बाईपास रोड से हिरासत में लिया गया और पूछताछ के लिए पंजाब ले जाया गया। पंजाब के मानसा जिले में रविवार को अज्ञात हमलावरों ने मशहूर पंजाबी गायक मूसेवाला(28) की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

राज्य सरकार द्वारा मूसेवाला की सुरक्षा कम किए जाने के एक दिन बाद यह घटना हुई। अधिकारी ने बताया कि ये पांचों उत्तराखंड के चमोली जिले में साहिब गुरुद्वारे जा रहे थे। उन्होंने कहा कि पंजाब पुलिस अब यह पता लगाएगी कि गायक की हत्या में इनकी क्या भूमिका थी। पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला मर्डर केस की न्यायिक जांच होगी। बता दें कि परिजनों ने मांग की थी कि जब तक मामले की न्यायिक जांच के आदेश नहीं दिए जाएंगे तब तक शव का अंतिम संस्कार नहीं किया जाएगा। न्यायिक जांच की मांग को मानने के बाद मंगलवार को मूसेवाला का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

इस बीच 5 चिकित्सकों की टीम द्वारा पोस्टमार्टम पूरा होने के बाद सिद्धू मूसेवाला को मनसा सिविल अस्पताल से बाहर लाया गया। उनके पार्थिव शरीर को उनके घर ले जाया गया। बता दें कि मूसेवाला का उनके पैतृक गांव में अंतिम संस्कार किया गया।

कश्मीर में शिक्षिका की गोली मारकर हत्या, उमर बोले धार्मिक हिंसा के कारण तबाह हुआ एक और घर

कुलगाम (ईएमएस)। कुलगाम के गोपालपोरा इलाके में सांबा की रहने वाली हिंदू महिला शिक्षिका पर आतंकियों ने गोलीबारी की। इस घटना में महिला की घटनास्थल पर ही मुत्यु हो गई। पुलिस ने बताया कि कुलगाम जिले के गोपालपुर में रजनी बाला (36) पर आतंकवादियों ने गोलियां चलाई, उन्होंने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। बाद में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

जम्मू कश्मीर में पिछले कुछ समय से अल्पसंख्यक कश्मीरी पंडितों पर हमले बढ़ गए हैं। महिला शिक्षिका के एक परिजन ने कहा हमें सरकार से इंसाफ चाहिए और जिन्होंने भी हमला किया, उन्हें सजा मिलनी चाहिए। इस घटना पर नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने निशाना साधा है। उमर अब्दुल्ला ने शिक्षिका की हत्या को घिनौना कृत्य करार दिया। उन्होंने कहा, रजनी जम्मू संभाग के सांबा जिले की निवासी थीं। दक्षिण कश्मीर के कुलगाम में शिक्षिका के तौर पर काम कर रही थीं, एक घिनौने हमले में उनकी जान चली गई। मेरी संवेदनाएं उनके पति राज कुमार और परिवार के साथ हैं।

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि धार्मिक हिंसा के कारण एक और घर तबाह हो गया। अब्दुल्ला ने कहा निहत्थे नागरिकों पर निशाना बनाकर किए गए हालिया हमलों की लंबी सूची में यह एक और हमला है। निंदा एवं शोक के शब्द और सरकार का आश्वासन कि स्थिति सामान्य होने तक वे चैन से नहीं बैठेंगे, सभी खोखले प्रतीत होते हैं। रजनी बाला गोपालपुर में बतौर पर शिक्षिका तैनात थीं। उन्होंने बताया कि इलाके की घेराबंदी कर हमलावरों की तलाश शुरू कर दी गई है। मई के महीने में दूसरी बार किसी कश्मीरी पंडित की हत्या की गई है। 12 मई को राहुल भट् की बडगाम जिले की चदूरा तहसील में तहसीलदार कार्यालय के अंदर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मई महीने के दौरान कश्मीर में अभी तक सात लक्षित हत्याएं की गई हैं। इनमें से चार नागरिक और तीन पुलिसकर्मी थे, जो डयूटी पर तैनात नहीं थे।

केंद्र सरकार ने मंकीपॉक्स बीमारी को लेकर गाइडलाइन जारी की

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने मंकीपॉक्स बीमारी को लेकर गाइडलाइन जारी की है। केंद्र सरकार के मुताबिक, भारत मे अभी तक एक भी मंकीपॉक्स का केस नहीं है लेकिन जिस तरह से दुनिया के देशों में इसके मामले सामने आ रहे है उससे केंद्र चिंतित है। जारी गाइडलाइन में कहा गया है कि इंटिग्रेटेड डिसीज सर्विलांस प्रोग्राम के माध्यम से संदिध के नमूने नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ वायरोलॉजी पुणे भेजे जाएंगे।

गाइडलाइन में कहा गया है कि मंकीपॉक्स से संक्रमित व्यक्ति की 21 दिनों तक निगरानी की जाएगी। अगर कोई व्यक्ति मंकीपॉक्स संक्रमित के संपर्क में आ जाता है तो उसे उसी दिन से अगले 21 दिनों तक निगरानी में रखा जाएगा और उसमें देखा जाएगा कि किसी तरह के लक्षण तो नही हैं। संक्रामक अवधि के दौरान किसी मरीज या उनकी दूषित सामग्री के साथ अंतिम संपर्क में आने के बाद 21 दिनों की अवधि के लिए हर रोज निगरानी की जानी चाहिए।

मंकीपॉक्स वायरस अब तक 25 देशों में फैल चुका है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हालांकि कहा है कि वायरस से घबराने का कोई कारण नहीं है। यह गंभीर बीमारी का कारण नहीं बनता है। डब्ल्यूएचओ ने का कहना है कि उसे अफ्रीकी देशों से बाहर मंकीपॉक्स के फैलने को लेकर ज्यादा चिंता नहीं है। ऐसी संभावना कम ही है कि यह

एक बच्चे के अखिलेश यादव को राहुल गांधी बताए जाने पर सीएम योगी बोले- 'दोनों में फर्क बहुत ज्यादा नहीं'

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश विधानसभा में बजट पर चर्चा का जवाब देते हुए उस समय हंसी के ठहाके गूंज उठे जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव की ओर से सुनाए गए उस किस्से पर चुटकी ली, जिसमें एक बच्चे ने सपा अध्यक्ष को राहुल गांधी बता डाला था। सोमवार को खुद अखिलेश यादव ने इस विधानसभा में यह किस्सा सुनाया था। सीएम योगी ने इसका जिक्र करते हुए मंगलवार को कहा कि दोनों में ज्यादा फर्क नहीं है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी देश के बाहर देश की बुराई करते हैं और अखिलेश यूपी के बाहर यूपी की बुराई करते हैं।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, 'नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि अपने समय में उन्होंने बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूल का दौरा किया। उन्होंने एक बच्चे से पूछा कि मुझे पहचानते हो, तो उसने कहा हां राहुल गांधी हैं। बच्चे भोले भाले होते हैं, लेकिन होते हैं मन के सच्चे। जो बोला होगा बहुत सोच समझ के ही बोला होगा। फर्क बहुत ज्यादा नहीं है। फर्क केवल यह है कि राहुल गांधी जी देश के बाहर देश की बुराई करते हैं और आप उत्तर प्रदेश के बाहर उत्तर प्रदेश की बुराई कर देते हैं।'

सोमवार को बजट पर चर्चा के दौरान अखिलेश यादव ने यूपी की शिक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करते हुए कहा था कि नीति आयोग के सूचकांक में यूपी सबसे खराब प्रदर्शन वाले राज्यों में चौथे स्थान पर है। उन्होंने इस दौरान कहा कि वह जब मुख्यमंत्री थे तो अक्सर स्कूलों में जाते थे। अखिलेश यादव ने शिक्षा के इस स्तर के लिए अपनी भी गलती मानी और कहा, ''मैं प्राइमरी स्कूलों में हमेशा जानता हूं। मैं एक बार नहीं गया। जब मैं मुख्यमंत्री था तब भी गया। मैं अपनी कमी भी जानता हूं। जब मैं एक स्कूल में गया। मैंने छोटे बच्चे से पूछा पहचाना मुझे? उसने कहा हां पहचान लिया। मैंने पूछा कौन हूं मैं, उसने कहा आप राहुल गांधी हैं।'' यह सुनते ही सदन में ठहाके गूंज उठे। खुद सीएम योगी भी खिलखिलाकर हंसते दिखे।

कार्टून कोना

कश्मीर को दहलाने की साजिश रच रहा आईएसआईएस-अलकायदा

नई दिल्ली (ईएमएस)। अफगानिस्तान पर तालिबानी कब्जे के बाद आतंकी संगठन अल कायदा फिर से कश्मीर में पांव पसारने की फिराक में हैं। भारतीय उपमहाद्वीप में सुरक्षा के हालात पर संयुक्त राष्ट्र ने एक रिपोर्ट जारी की है। इसमें चौंकाने वाले दावे किए हैं। रिपोर्ट कहती है कि आतंकी संगठनों ने अपनी मैगजीन का 2020 का नाम 'नवा-ए-अफगान जिहाद से बदलकर 'नवा-ए-गजवा-ए-हिंद कर दिया है। जिससे इस बात के संकेत मिलते हैं, कि वह अपना ध्यान फिर से अफगानिस्तान से कश्मीर पर केंद्रित कर रहा है।

बता दें कि अफगानिस्तान में अलकायदा भले ही बहुत चर्चा में न हो लेकिन उसने गजनी, हेलमंद, कंधार, निमरुज, प्तिका और जाबुल प्रांतों में अपने बनाए हुए हैं। जहां उसके 180 से 400 लड़ाके मौजूद हैं। इन लड़ाकों में बांग्लादेश, भारत, म्यांमार और पाकिस्तान के नागरिक शामिल हैं। यूएन की रिपोर्ट में कहा गया है कि लश्कर और जैश के आतंकी कैंप अब भी अफगानिस्तान में हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि एक सदस्य देश के अनुसार, अफगानिस्तान में मौलवी यूसुफ इसका नेतृत्व कर रहा है। एक अन्य सदस्य देश के अनुसार, अक्टूबर 2021 में एक अन्य लश्कर नेता मौलवी असदुल्लाह ने तालिबानी उप गृह मंत्री नूर जलील से मुलाकात की थी। रिपोर्ट के अनुसार, एक अन्य सदस्य देश ने कहा कि इस क्षेत्र में प्रभावी सुरक्षा कदम उठाए जाने के कारण जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा की मौजूदगी का कोई सबूत नहीं है।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने तिहाड़ जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को रिमांड पर लिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने तिहाड़ जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को रिमांड पर लिया है। उससे सिंगर सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में पूछताछ होगी। जानकारी के अनुसार, बिश्नोई को कोर्ट के जरिये एक दूसरे केस में 5 दिन की रिमांड पर लिया गया था लेकिन अब सिद्धू केस में उससे पूछताछ की जाएगी।

कनाडा स्थित गोल्ड बरार, जो कि लॉरेंस बिश्नोई का करीबी है, ने मूसे वाला के मर्डर की जिम्मेदारी ली है। सूत्रों ने बताया कि इसके बाद तिहाड़ जेल में बंद लॉरेंस की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। लॉरेंस बिश्नोई की ओर से पंजाब पुलिस की ओर से उसे अपने साथ ले जाने से रोकने के लिए कोर्ट में कल याचिका लगाई गई थी। लॉरेंस को डर सता रहा है कि उसे एनकाउंटर में मारा जा सकता है।

ज्ञात रहे कि सिंगर सिद्धू मूसेवाला को एक स्वचालित असॉल्ट राइफल से 30 गोलियां मारी गई थीं। मूसेवाला ने इस साल के शुरुआत में कांग्रेस के टिकट पर पंजाब का विधानसभा चुनाव लड़ा था। लॉरेंस बिश्नोई दिल्ली यूनिवर्सिटी का पूर्व छात्र नेता रहा है। हालांकि लॉरेंस के वकील ने मूसे वाला केस में अपने मुवक्किल की संलिप्तता से इनकार करते हुए सवाल उठाया है, ठकोई आखिकार जेल में रहते हुए इस तरह के बड़े हत्याकांड की साजिश रच सकता है।ठ

सत्येंद्र जैन को 9 जून तक ईडी की कस्टडी में भेजा, खाएंगे घर का खाना

नई दिल्ली (ईएमएस)। हवाला लेनदेन मामले में गिरफ्तार दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया। ईडी ने कोर्ट से स्वास्थ्य मंत्री जैन के लिए 14 दिन की कस्टडी की मांग की। जबकि, राउज एवेन्यू कोर्ट ने जैन को 9 जून तक ईडी की कस्टडी में भेजने का आदेश दिया। लेकिन खास बात यह है कि सत्येंद्र जैन हिरासत में भी घर का ही खाना खा सकते है। दरअसल, जैन के वकील ने स्वास्थ्य मंत्री को खाना देने की इजाजत मांगी थी, जिसे कोर्ट स्वीकार कर लिया।

वहीं, ईडी की ओर से तुषार मेहता ने कोर्ट से कहा है कि फरवरी 2015 से मई 2017 तक रुपए इधर-उधर किए गए। ईडी ने कहा कि हमारे पास डाटा एंट्री है कि कैसे हवाला में पैसा लगाया गया और दिल्ली से कलकाता पैसा भेजा गया। उन्होंने कहा कि शैल कंपैनियां कलकता बेस हैं। कोर्ट ने ईडी से पूछा कि 14 दिन की कस्टडी क्यों मांग रहे हैं। ईडी ने कहा कि जो चेक अभी कैश नहीं हुए हैं, उनके बारे में जानकारी निकालनी है। साथ ही जो चेक मिले हैं वहां किनके पैसे हैं, उन पैसों को इस्तेमाल हवाला में नहीं हुआ है। ईडी ने कहा कि 8 कंपनियों के शेयर खरीदे गए हैं। जो 8 कंपनिया हैं, वहां जैन से जुड़ी हुई हैं। साथ ही जिन 8 कंपनियो से पैसा ट्रांसफर किया गया है उसका सोर्स पता नहीं है।

सुनवाई के दौरान ईडी ने कोर्ट से कहा कि मामले में जैन को अंतरिम जमानत भी नहीं दी जानी चाहिए। अगर जैन को जमानत मिलेगी, तब वहां सुबूतों के साथ छेड़छाड़ कर सकते हैं। ईडी ने कहा कि मामले जो अहम सबूत मिले हैं, उस मामले में सत्येन्द्र जैन से कांफ्रेंट करवाना है। वहीं, जैन के वकील एन हरिहरन ने कोर्ट में अपनी दलील देकर कहा कि हम लगातार कॉपरेट कर रहे हैं। सारे कागजात दिखा दिया गया है। कस्टडी की क्या जरूरत है, हम हर वक्त हाजिर हैं। उन्होंने कहा कि जमीन 2011 में खरीदा गया था। जांच उसके बाद की है। मंगलयातान का निवेश 2013 में हुआ। जैन को जो शेयर मिला वहां कंसल्टेंसी के लिए मिला। वहां आर्किटेक्ट है, उसका पैसा कंपनी ने दिया। साथी ही सत्येन्द्र जैन के वकील ने कहा कि 14 दिन के कस्टडी की कोई जरूरत नहीं है, यह मामला सीधे जमानत का है। ईडी के सभी आरोप निराधार हैं।

व्हीकल इंश्योरेंस से लेकर होम लोन आज से सबकुछ हो रहा मंहगा

आपकी जेब पर पड़ेगा इसका सीधा असर

नई दिल्ली (ईएमएस)। आज 1 जून से महंगाई की और अधिक मार लोगों पर पड़ने वाली है। आज से कई बदलाव होने वाले हैं, जो आपकी जेब पर असर जरूर डालने वाले हैं। यदि आप स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, एक्सिस बैंक, या इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के ग्राहक हैं, तब आपका बजट जरूर बिगड़ेगा। बैंकों के अलावा, थर्ड पार्टी मोटर इंश्योरेंस के लिए भी जेब से कुछ ज्यादा पैसा निकालना होगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय स्टेट बैंक ने होम लोन एक्सटर्नल बेंचमार्क लेंडिंग रेट (ईबीएलआर) को 40 आधार अंकों से बढ़ाकर 7.05 प्रतिशत कर दिया है, और रेपो रेट लिंक्ड लेंडिंग रेट (आरएलएलआर) 6.65 फीसदी+ सीआरपी होगा। बढ़ी हुई ब्याज दरें 1 जून, 2022 से प्रभावी होंगी। एक्सिस बैंक ने सैलरी और सेविंग अकाउंट होल्डर्स के लिए सर्विस चार्ज बढ़ा दिए हैं। बैंक ने औसत मंथली बैलेंस की न्यूनतम सीमा को 15,000 से बढ़ाकर 25,000 रुपये कर दिया है। दूसरी तरफ, मेनटेन नहीं देने पर न्यूनतम सर्विस फीस शून्य होगी।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा घोषित विभिन्न श्रेणियों के वाहनों के लिए थर्ड पार्टी मोटर बीमा प्रीमियम में वृद्धि हो रही है। एक जून 2022 से 150 सीसी से लेकर 350 सीसी वाली मोटरबाइक का प्रीमियम अब 1,366 रुपये वसूल किया जाएगा, जबकि 350सीसी से ज्यादा क्षमता वाले दोपहिया गाड़ियों के लिए संशोधित इंश्योरेंश प्रीमियम 2,804 रुपये होगा। 75 सीसी से 150 सीसी तक के वाहनों का प्रीमियम 714 रुपये होगा। 75 सीसी से कम क्षमता वाले दोपहिया वाहनों के लिए 538 रुपये में थर्ड पार्टी कवर लिया जा सकेगा।

1000 सीसी तक की इंजन क्षमता वाली कारों का थर्ड पार्टी इंश्योरेंस प्रीमियम 2,094 रुपये होगा। वहीं 1000 सीसीसे 1500 सीसी तक की कारों के लिए अब इंश्योरेंस प्रीमियम 3,416 रुपये होगा, जो पहले 3221 रुपये था। यानी, गाड़ियों का इंश्योरेंस महंगा होगा।

इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक (आईपीपीबी) ने आधार इनेबल्ड पेमेंट सिस्टम सर्विस चार्जेस की पेशकश की है। यह इश्युअर ट्रांजेक्शन शुल्क 15 जून, 2022 से प्रभावी होगा। हर महीने कैश विदड्रॉल, कैश डिपॉजिट और मिनी स्टेटमेंट जैसे पहले तीन इश्युअर ट्रांजेक्शन मुफ्त होगा। वहीं, इस लिमिट से ज्यादा कैश विदड्रॉल और कैश डिपॉजिट के लिए प्रति ट्रांजेक्शन 20 रुपये प्लस जीएसटी और मिनी स्टेटमेंट ट्रांजेक्शंस पर प्रति ट्रांजेक्शन 5 रुपये प्लस जीएसटी देना होगा।

कांग्रेस डूब रही है साथ गया तो मैं भी डूब जाऊंगा - प्रशांत किशोर

पटना (ईएमएस)। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर भी अब कांग्रेस से नाउम्मीद हो गए हैं। प्रशांत किशोर ने कांग्रेस में जाने के प्रश्न पर न केवल हाथ जोड़ लिया? बल्कि कहते सुने गए कि कांग्रेस डूब रही है साथ गया तो मैं भी डूब जाऊंगा। अपनी जन सूरज यात्रा से पहले बिहार के दौरे पर निकले प्रशांत किशोर इन दिनों गांव गांव घूम गांव-गांव चौपाल लगाकर लोगों से बात कर रहे है।

वैशाली के महनार में अपने जनसंपर्क और चौपाल के दौरान प्रशांत किशोर कांग्रेस पर बफरते दिखे। प्रशांत किशोर ने कहा की ये कांग्रेस सुधरती क्यों नहीं ? खुद तो डूब ही रही है साथ गया तो मुझे भी डूबा देगी। इतना कह प्रशांत किशोर ने दोनों हाथ जोड़ लिया और कहते दिखे कि कांग्रेस के साथ कभी नहीं। प्रशांत किशोर ने कहा कि वो कांग्रेस के साथ कभी काम नहीं करेंगे। वो ऐसी पार्टी है जो खुद सुधरती नहीं है। उनका कहना है अभी का जो कांग्रेस की व्यवस्था है वह ऐसी है कि खुद तो सुधरेगी नहीं डूब रही है और हमको भी ढुबा देगी। प्रशांत किशोर ने कहा वो 10 सालों में 11 चुनाव से जुड़े हुए हैं जिसमें एक ही चुनाव हारे हैं जो यूपी में कांग्रेस के साथ था। उन्होने कहा इसलिए उसके बाद तय किया कि कांग्रेस के साथ कभी काम नहीं करेंगे। इन लोगों ने मेरा रिकॉर्ड खराब कर दिया।

वैशाली के महनार में बिहार के दिग्गज नेता स्व रघुवंश प्रसाद सिंह के घर पर बात करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि पिछले 10 सालो में 11 चुनावों में चुनावी प्रबंधन किया। लेकिन जिस एक मात्र 2017 के उप्र चुनाव में मात खाया वो कांग्रेस के साथ था। इसीलिए हाथ जोड़ता हूं आगे से कभी कांग्रेस के साथ नहीं जाऊंगा। वैशाली में जिस अंदाज में प्रशांत किशोर ने कांग्रेस पर तंज करने वाला ये बयान दिया है। कांग्रेस को कुछ ज्यादा ही चुभने वाला है।

मूसेवाला मर्डर केस में पंजाब पुलिस ने मनप्रीत नाम के शख्स को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। बहुचर्चित सिद्दू मूसेवाला मर्डर केस में पंजाब पुलिस ने मनप्रीत नाम के शख्स को गिरफ्तार किया है। उसे कल उत्तराखंड से पकड़ा गया था। मनप्रीत को मंगलवार को कोर्ट में पेश किया गया जहां से उसे 5 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। हालांकि फिलहाल यह साफ नहीं है कि मनप्रीत का मामले में क्या रोल है।गौरतलब है कि पंजाब पुलिस ने सिद्धू मूसे वाला की हत्या मामले में छह लोगों को कल उत्तराखंड के देहरादून में हिरासत में लिया था।जानकारी के अनुसार, उत्तराखंड स्पेशल टॉस्क फोर्स की मदद से उन्हें पकड़ा गया था। पकड़े गए लोग लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्य बताए गए थे।

ज्ञानवापी की सर्वे और वीडियोग्राफी की फुटेज लीक, दीवार पर दिख रहे त्रिशूल और स्वास्तिक के निशान

लखनऊ (ईएमएस)। वाराणसी के ज्ञानवापी का विवाद लगातार बढ़ रहा है। आखिरकार ज्ञानवापी की हकीकत क्या है, इस सब जानना चाहते हैं। इस बीच वाराणसी कोर्ट के आदेश के बाद ज्ञानवापी परिसर में जो सर्वे और वीडियोग्राफी किया गया, उसकी फुटेज लीक हो गई है। दरअसल, कोर्ट की ओर से हिंदू और मुस्लिम पक्षों को एक्सक्लूसिव वीडियो सौंपा गया था। लेकिन अब मीडिया के सामने यह वीडियो आ चुका है। जो वीडियो सामने आया है, वह सर्वे के दौरान का हैं, इसमें कोर्ट कमिश्नर सहित दोनों पक्षों के वकील भी आपस में बात करते सुनाई दे रहे हैं। यह वीडियो टीवी चैनलों के साथ सोशल मीडिया पर भी खूब वायरल है।

जो वीडियो सामने आया है, उसमें शिवलिंग के आकार की कोई आकृति दिखाई दे रही है। शिवलिंग के आकार वाली चीज के ऊपर सीमेंट रखा गया है, जिसे टुकड़ों में काटा गया है। देखने के बाद ऐसा लग रहा है कि शिवलिंग को क्षतिग्रस्त करने की कोशिश की गई है। इसके बीच में छेद करने की भी कोशिश की गई है। हिंदू पक्ष का अब दावा है कि हमारे आराध्य देव को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई है। दरअसल, ज्ञानवापी परिसर में हौद जैसा एक क्षेत्र है। इस हौद के बीच में कुएं के आकार कुछ बनाया गया है और उसी के बीचो-बीच शिवलिंग दिखाई दे रहा है। कुएं में पानी भरा हुआ था जिसे निकाला गया जिसके बाद शिवलिंग के आकार की पूरी आकृति दिखाई दे रही है। हिंदू पक्ष से लगातार दावा है कि यह शिवलिंग है और हमें पूजा का अधिकार मिले। दूसरी ओर मुस्लिम पक्ष भी इस बात पर अड़ा हुआ है कि यह शिवलिंग नहीं, फव्वारा है।

एक अन्य वीडियो भी सामने आया है जिसमें मस्जिद के अंदर त्रिशूल दिख रहा है। मस्जिद के दीवारों पर त्रिशूल की आकृति देखने को मिली है। साथ

जी ग्रुप के चेयरमैन सुभाष चंद्रा ने बीजेपी के समर्थन से राजस्थान से नामांकन दाखिल किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। जी ग्रुप के चेयरमैन और उच्च सदन के सदस्य सुभाष चंद्रा ने बीजेपी के समर्थन से राजस्थान से नामांकन दाखिल किया है। राजस्थान में चार सीटों में से कांग्रेस दो और बीजेपी एक सीट जीतने की स्थिति में है। चौथी सीट के लिए सुभाष चंद्रा, कांग्रेस के प्रमोद तिवारी को चुनौती देंगे। कथित तौर पर बीजेपी, राजस्थान की सत्तारूढ़ कांग्रेस में बढ़ रहे असंतोष और अशोक गहलोत तथा सचिन पायलट के बीच की 'जंग' को भुनाना चाहती है।

राज्यसभा उम्मीदवारों रणदीप सुरजेवाला, मुकुल वासनिक और प्रमोद तिवारी के चयन को लेकर राजस्थान कांग्रेस में नाराजगी है। स्थानीय विधायकों द्वारा इन तीनों उम्मीदवारों को ठबाहरीठ के तौर पर देखा जा रहा है। बीजेपी ने घनश्याम तिवारी को प्रत्याशी बनाया है जो वसुंधरा राजे कैबिनेट में मंत्री रह चुके हैं। 200 सदस्यीय राजस्थान विधानसभा में हर उम्मीदवार को जीत के लिए 41 वोट की जरूरत है। राज्य में कांग्रेस के 108 और बीजेपी के 71 विधायक हैं। दूसरी सीट के लिए बीजेपी के पास 30 सरप्लस वोट हैं, ऐसे में उसे 11 अतिरिक्त वोटों की जरूरत होगी। दूसरी ओर कांग्रेस को तीसरी सीट जीतने के लिए 15 अतिरिक्त वोटों की दरकार होगी। ऐसे में जीत के लिहाज से निर्दलीयों और छोटी पार्टियों की भूमिका अहम होगी। राजस्थान में 13 निर्दलीय विधायक हैं, इसमें दो राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी, दो भारतीय ट्राइबल पार्टी और दो सीपीएम से हैं, इनकी भूमिका जीत के लिहाज से अहम होगी।

बीजेपी शासित हरियाणा राज्य में एक सीट को लेकर कांग्रेस को कड़ी टक्कर का सामना करना पड़ेगा। राज्य से आईटीवी नेटवर्क के प्रबंध निदेशक राज्यसभा चुनाव में उतरने को तैयार है। उनकी एंट्री से कांग्रेस के अजय माकन के लिए मुश्किलें बढ़ सकती है। कार्तिकेय, कांग्रेस के पूर्व नेता विनोद शर्मा के बेटे और हरियाणा के पूर्व स्पीकर कुलदीप शमा के दामाद हैं। बीजेपी के अलावा जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) का समर्थन भी उनके पास है। जेजेपी के नेता अजय सिंह चौटाला ने कहा है कि उनकी पार्टी के सभी 10 विधायक, कार्तिकेय का समर्थन करेंगे। किसी भी पार्टी को एक सीट जीतने के लिए 31 वोट की जरूरत है। कांग्रेस के 31 विधायक हैं जबकि बीजेपी के पास नौ सरप्लस वोट हैं जिन्हें पार्टी कार्तिकेय के पास ट्रांसफर कर सकती है। हालांकि कागज पर अजय माकन की स्थिति मजबूत मानी जा रही है। लेकिन पार्टी से खफा चल रहे कुलदीप बिश्नोई का फैक्टर उनकी परेशानी बढ़ा सकता है।

जन हितैषी

वीआईपी सुरक्षा पर बवाल

पंजाब में वीआईपी सुरक्षा में कटौती बवाल का कारण बन गई है। चौथी बार की गई कटौती में श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार सहित डेरे के मुखी, तीन एडीजीपी, कई पूर्व विधायक सहित 424 लोग शामिल हैं। इन वीआईपी की सुरक्षा में तैनात लगभग 3000 पुलिसकर्मियों को अब सामान्य डयूटी के तहत आम लोगों की सुरक्षा में लगाया जाएगा। सुरक्षा में कटौती किए जाने वालों में पंजाबी गायक शुभदीप सिंह सिद्धू मूसेवाला का नाम भी शामिल है, जिनकी रविवार को कुछ लोगों ने हत्या कर दी। 13 मार्च को 122 पूर्व विधायकों और मंत्रियों, 23 अप्रैल को 184 पूर्व मंत्रियों और विधायकों और 11 मई को आठ वीआईपी की सुरक्षा वापस ली जा चुकी है। सिद्धू की हत्या के बाद सुरक्षा में कटौती का मामला गरमा गया है। विपक्ष ने आप सरकार को घेरा है। वहीं पंजाब सरकार ने सिंगर सिद्धू मूसेवाला की वीआईपी सुरक्षा वापस लिए जाने के फैसले की भी जांच कराने की बात कही है। पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद खालिस्तान समर्थक समूह सिख फॉर जस्टिस फिर सक्रिय हो गया है। खबर है कि समूह ने एक वीडियो के जरिए पंजाब के मशहूर गायकों को भारत से पंजाब की आजादी का समर्थन करने के लिए कहा है। संगठन ने मशहूर पंजाबी गायकों से कहा है कि अब भारत से पंजाब की आजादी के लिए खालिस्तान रेफरेंडम (जनमत संग्रह) को समर्थन करने का समय है। प्रतिबंधित संगठन के संस्थापकों में से एक गुरपतवंत सिंह पन्नू ने वीडियो मैसेज में गायकों से 6 जून को अकाल तख्त साहिब में खालिस्तान जनमत संग्रह की तारीख के ऐलान में साथ देने के लिए कहा है। पन्नू ने कहा, अगली गोली के नाम या समय का कोई अंदाजा नहीं लगा सकता। इस घटनाक्रम के बाद भाजपा से लेकर कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल ने सिद्धू मूसेवाला की हत्या को लेकर आम आदमी पार्टी की सरकार को घेर लिया है। एक बार फिर राज्य में आप सरकार को बर्खास्त करने की मांग उठी है। साथ ही सियासी दल मामले की स्वतंत्र जांच कराए जाने की मांग कर रहे हैं। सवाल यह भी है कि सिद्धू मूसेवाला की सुरक्षा में कटौती क्यों की गई। गौरतलब है कि पंजाब सरकार ने सिद्धू मूसेवाला पर हमले से एक दिन पहले ही उनकी सुरक्षा में कटौती कर दी थी। मूसेवाला की सुरक्षा में पहले 4 जवान तैनात थे जिन्हे घटाकर 2 कर दिया गया था। सवाल यह भी कि हमले के वक्त सुरक्षाकर्मी मौजूद क्यों नहीं थे? सिद्धू मूसेवाला अपने साथ सुरक्षाकर्मियों को क्यों नहीं ले गए? बुलेटप्रूफ गाड़ी होते हुए भी मूसेवाला उससे क्यों नहीं गए और जब जान का खतरा था तो इतनी बड़ी लापरवाही कैसे हुई? जो भी कारण हो जांच के बाद सामने आएगा, मगर मान सरकार का तर्क देखें तो सरकार को वीआईपी सुरक्षा पर काफी खर्च करना पड़ रहा था। इस दृष्टि से मान सरकार सही है। क्योंकि देश में वीआईपी लोगों को महफूज रखना महंगा पड़ रहा है। बीस हजार से अधिक विशिष्ट एवं अति विशिष्ट लोगों को एक तय संख्या में सुरक्षा कर्मी मिले हुए हैं। प्रधानमंत्री के एसपीजी सुरक्षा कवर से लेकर जेड प्लस, जेड, वाई प्लस, वाई और एक्स श्रेणी की सुरक्षा के अलावा केंद्र व राज्य में एक या दो सुरक्षाकर्मी साथ लेकर चलने वाले वीआईपी लोगों का आंकड़ा काफी बड़ा है। वीआईपी सुरक्षा में लगे अधिकारियों के मुताबिक, 12000 करोड़ रुपए के सालाना खर्च पर लगभग 20 हजार वीआईपी महफूज रहते हैं। इनकी सुरक्षा में 60,000 से अधिक जवान तैनात हैं। 30,000 से ज्यादा गाडियां, वीआईपी सिक्योरिटी में इस्तेमाल हो रही हैं। इस खर्च में तो केवल सुरक्षाकर्मियों का वेतन और वाहनों का पेट्रोल डीजल ही शामिल है। मसलन, खाना पीना, रहना, ट्रेवलिंग अलाउंस, जोखिम भत्ता एवं दूसरा कई तरह का व्यय अलग रहता है। केंद्र एवं राज्य सरकारें इस खर्च को वहन करती हैं। पंजाब सरकार ने 424 वीआईपी लोगों को दी गई सुरक्षा वापस ले ली है। पंजाब सरकार को वीआईपी सुरक्षा पर काफी खर्च करना पड़ रहा था। इससे पहले भी भगवंत मान सरकार ने कई विधायकों और पूर्व विधायकों एवं दूसरे नेताओं की सुरक्षा में तैनात पुलिस कर्मचारियों को वापस बुला लिया था। जिन लोगों की सुरक्षा वापस ली गई हैं, उनमें विभिन्न दलों के नेताओं के अलावा अनेक रिटायर्ड पुलिस अधिकारी भी शामिल हैं। डेरे एवं धार्मिक नेताओं को भी सुरक्षा घेरा प्रदान किया गया था। अनेक वीआईपी ऐसे भी होते हैं, जिनके पास सुरक्षा कर्मियों के लिए अलग से गाड़ी नहीं होती। बाहर का दौरा है तो वहां रहने का इंतजाम नहीं मिलता। ऐसे में सुरक्षा कर्मियों को पास की अपनी यूनिट से सेवा लेनी पड़ती है। खाने पीने का इंतजाम भी खुद ही करना पड़ता है।

सामाजिक एकता बढ़ाएगा समान कानून

\- पूर्वजों की गलती सुधारने मुस्लिमों की पहल शुरू

वर्तमान में समान नागरिक कानून की चर्चा बहुत ज्यादा है। होना भी चाहिए, क्योंकि विश्व के अधिकांश देश समान कानून की अवधारणा को स्वीकार करते हैं। आज जो देश विश्व की महाशक्ति मानने का साहस रखते हैं, उन सभी देशों में कानून के नाम पर कोई समझौता नहीं किया जाता। भारत में कानून के नाम पर जो प्रावधान हैं, उनमें कई प्रकार की खामियां देखने को मिलती हैं। जो समाज में असमानता का भाव पैदा करने वाले कहे जा सकते हैं। विसंगति यह है कि मुस्लिमों के लिए जो पर्सनल कानून बनाए हैं, वे सामाजिक उत्थान और मुसलमानों को राष्ट्र की मुख्य धारा में लाने का ही एक प्रयास था, लेकिन इसका परिणाम क्या हुआ है, यह हम सभी के सामने है। मुस्लिम समाज का कुछ वर्ग देश की वास्तविकता से परिचित होना नहीं चाहता। इतना ही नहीं वह अभी तक भारत के उन संस्कारों से समरस नहीं हो सका है, जो मुगलों और अंग्रेजों से पहले से चले आ रहे हैं। भारत के मुसलमानों के बारे में सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि यह मुसलमान सनातन काल से भारत के ही हैं। वह अपना इतिहास खोजेंगे तो उन्हें इसके प्रमाण भी मिल जाएंगे। आज कई मुस्लिम अपने पूर्वजों द्वारा की गई गलतियों को सुधारने का प्रयास भी करने लगे हैं। वसीम रिजवी और जफर शेख ने इस पहल को गति देने का कार्य किया है। अभी मुस्लिम समाज को सुबह का भूला निरूपित किया जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी, लेकिन यकीनन वो शाम भी आ रही है, जिसमें सब घर लौटने की कवायद करेंगे।

समान नागरिक संहिता को लेकर कुछ संस्थाओं द्वारा यह प्रचारित करने का प्रयास किया जा रहा है कि यह कानून भारत के मुस्लिमों के विरोध में है। जबकि इस पर गंभीरता पूर्वक मंथन किया जाए तो समान नागरिकता कानून मुस्लिमों के लिए बड़ा हितकारक ही सिद्ध होगा। हम जानते हैं कि आज देश का बहुत बड़ा मुस्लिम समाज मुख्य धारा से कटा हुआ है। इसके पीछे एक मात्र कारण देश की राजनीति को माना जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। देश को स्वतंत्रता मिलने के बाद राजनीतिक दलों ने मुस्लिमों के वोट प्राप्त करने के लिए तमाम तरीके से प्रलोभन देने का काम किया, यही प्रलोभन मुस्लिम समाज के विकास में बाधक बनकर सामने दिखाई दिया। अगर सारे समाज के लिए देश में एक समान कानून बन जाएगा तो स्वाभाविक रूप से समाज में भेदभाव भी समाप्त होगा, जो अपरिहार्य भी है। इसलिए अब देश के मुस्लिम समाज को स्वयं ही समान नागरिक संहिता लागू करने की मांग करना चाहिए, जो न्यायोचित कदम होगा।

वर्तमान में एक बार फिर से समान नागरिक कानून बनाए जाने की मांग जोर पकड़ रही है। ऐसा किया जाना इसलिए भी आवश्यक है, क्योंकि निजी कानूनों के चलते समाज में भेदभाव की खाई लगातार गहरी होती जा रहा है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक बार तलाक के एक प्रकरण में सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया था कि समान नागरिक संहिता समय की जरूरत है। इसकी आवश्यकता इसलिए भी है, क्योंकि देश में सभी नागरिकों के लिए कानून समान होना चाहिए। हम जानते हैं कि गोवा में समान नागरिक संहिता लागू है और इस राज्य के किसी भी वर्ग को किसी भी प्रकार की कोई समस्या नहीं है। इसीलिए कहा जा सकता है कि देश में भी समान नागरिक संहिता के होने से समाज को किसी भी प्रकार की कोई समस्या नहीं है। समस्या तो केवल उन राजनीतिज्ञों को है जो समाज में विभाजन की लकीर को बड़ा करना चाहते हैं। ऐसे राजनीतिज्ञों को विचार करना चाहिए कि जो काम गोवा में किया जा सकता है, वह शेष देश में क्यों नहीं हो सकता? राजनीतिक दलों को यह समझना चाहिए कि समान नागरिक संहिता न तो किसी के विरोध में है और न ही किसी के समर्थन में है। समान नागरिक संहिता देश के हर नागरिक नागरिक को समानता का अधिकार देता है।

विश्व के कई देशों में संवैधानिक प्रावधानों के तहत किसी वर्ग को विशेष अधिकार नहीं हैं, सबको देश में एक ही कानून को मानना होता है, लेकिन भारत में राजनीतिक फायदे के लिए तुष्टिकरण का ऐसा खेल खेला गया, जो विविधता में एकता के दर्शन को तार-तार कर रहा है। निजी कानूनों के कारण कहीं कहीं विसंगति के हालात भी पैदा हो रहे हैं। सामुदायिक घटनाओं को भी स्वार्थी राजनीतिक दृष्टि से देखा जाता है, घटना को देखने का यह नजरिया वास्तव में वर्ग भेद को बढ़ावा देने वाला है। देश का मुस्लिम भी समाज का एक हिस्सा है, जिसे इसी रूप में प्रस्तुत करने की परिपाटी चलन में आ जाए तो भेद करने वाले विचारों पर लगाम लगाई जा सकती है। लेकिन हमारे देश के कुछ राजनीतिक दलों ने मुसलमानों को ऐसे भ्रम में रखने के लिए प्रेरित किया कि वह भी ऐसा ही चिंतन करने लगा, जबकि सच्चाई यह है कि आज के मुसलमान बाहर से नहीं आए, वो भारत के ही हैं। परिस्थितियों के चलते उनके पूर्वज मुसलमान बन गए। वे सभी स्वभाव से आज भी भारतीय हैं और विचार से सनातनी हैं, लेकिन देश के राजनैतिक दल मुसलमानों के इस सनातनी भाव को प्रकट करने का अवसर नहीं दे रहे।

जहां तक निजी कानूनों का सवाल है तो यह कहीं न कहीं समाज से दूर करने का बड़ा कारण ही सिद्ध हो रहा है। इन कानूनों से अगर किसी वर्ग को लाभ मिलता तो वह आज प्रगति कर चुका होता, जबकि वास्तविकता यही है कि अल्पसंख्यकों के नाम पर दी जाने वाली सरकारी सुविधाएं ही उनकी प्रगति के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा है। हम जानते हैं कि सुविधाओं के सहारे किसी भी समाज को स्वावलम्बी नहीं बनाया जा सकता। लेकिन भारत में मुस्लिम पर्सनल कानून को लेकर जहां मुस्लिम समाज के पैरोकार समाज में भ्रम की स्थिति पैदा कर समाज को राष्ट्र की मुख्य धारा में लाने से वंचित कर रहे हैं, वहीं देश के कुछ राजनीतिक दल भी आग में घी डालने जैसा कृत्य करते हुए दिखाई देते हैं। वास्तव में यह कदम कहीं न कहीं देश में वैमनस्यता को बढ़ावा देने का ही काम कर रहे हैं। जहां तक साम्प्रदायिक सद्भाव की बात है तो सभी धर्म और सम्प्रदाय के लोगों को एक दूसरे के रीति रिवाजों को समान भाव से सम्मान देना चाहिए। यदि ऐसा नहीं होता तो सामाजिक समरसता के तमाम प्रयास महज खोखले ही साबित होंगे।

भाजपा शुरू से ही इस पक्ष में रही है कि एक देश में एक ही कानून लागू होना चाहिए। किसी को भी पर्सनल लॉ के तहत काम करने की छूट नहीं दी जानी चाहिए। जो राजनीतिक दल इसे भाजपा या कांग्रेस के नजरिये से देखते हैं, उन्हें एक बार फिर से इस कानून को समझने का प्रयास करना चाहिए। अगर हम यह चिंतन भारतीय भाव से करेंगे तो स्वाभाविक रूप से यही दिखाई देगा कि समान नागरिक कानून देश और समाज के विकास का महत्वपूर्ण आधार बनेगा। अगर इसे हिन्दू मुस्लिम के संकुचित भाव से देखेंगे तो खामी न होने के बाद भी खामियां दिखाई देंगी। यह मसला वास्तव में केंद्र की मौजूदा सरकार ने अपनी तरफ से शुरू नहीं किया है। यह मांग तो पिछली सरकारों के समय भी उठती रही है, इसलिए वर्तमान केंद्र सरकार को दोषी ठहराना किसी भी दृष्टि से ठीक नहीं है। मौजूदा सरकार पूरे देश में हर नागरिक को समान अधिकार देने के पक्ष में है। वह पुरुष हो या महिला। हिंदू हो या मुसलमान या किसी दूसरे मजहब को मानने वाले नागरिक। ऐसा होगा तभी देश में सामाजिक समरसता की स्थापना संभव हो सकेगी। (लेखक-सुरेश हिंदुस्थानी / ईएमएस)

रेत समाधि की लेखिका गीताजंली श्री को मिला बुकर सम्मान

हिंदी की वरिष्ठ लेखिका गीतांजलि श्री के उपन्यास 'रेत समाधि' को अर्न्तराष्ट्रीय बुकर सम्मान 2022 के लिए चुन लिए जाने के बाद हिंदी प्रेमियों के मन में गीतांजलि श्री और उनके उपन्यास के बारे में जानने की उत्कंठा जग गई है।आप को बता दे कि मूल रूप से हिंदी में लिखा गया यह उपन्यास स्त्री चेतना की कहानी पर आधारित तो है ही, इसमें दो देशों के सरहदों को लांघता हुआ कथानक भी है। हिन्दी के जानकार का मानना है कि सरहदों के पार जाती कहानी इन्सानी अंतर्द्वंद्व,उसके संघर्ष की हदों को तोड़ती है और एक ऐसे आशावादी मुकाम पर पहुंचती है,जहां पात्रों की निराशा हवा हवाई हो जाती है ।

लेखिका गीतांजलि श्री के संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है। लेखिका का जन्म उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले में हुई ' दिल्ली के एल एस आर कालेज तथा जे एन यु से इतिहास में पढ़ाई की तथा इनके पति सुधीरचंद्र एक जाने-माने इतिहासकार हैं।गांधी दर्शन पर किया गया उनका काम उल्लेखनीय है।इन दिनों लेखक और इतिहासकार की यह जोड़ी गुड़गांव में रहती है।वैसे उनका घर दिल्ली में भी है ।

गीतांजली श्री को साहित्य सम्मान,हिंदी साहित्य,उपन्यास लेखन, उपन्यास रेत समाधि, राजकमल प्रकाशन, अशोक महेश्वरी, डेजी रॉकवेल,माई,हमारा शहर उस बरस,तिरोहित, खाली जगह है।'रेत समाधि' उनका पांचवां उपन्यास है।इससे पूर्व उनके चार उपन्यास प्रकाशित हुए हैं,वे 'माई','हमारा शहर उस बरस', 'तिरोहित' और 'खाली जगह' हैं।गीतांजलि श्री ने एक दौर में कई कहानियां भी लिखी हैं,ये कहानियां 'वैराग्य' और 'यहां हाथी रहते थे' संग्रह में संकलित हैं।उनकी प्रतिनिधि कहानियों का एक संग्रह भी अलग से है।उनकी किस्सागोई में मार्मिक और मनोवैज्ञानिक विश्लेषण का जादू पसरा रहता है।रेत समाधि'में मानसिक अवशाद से जूझ रही एकआम भारतीय परिवार की स्त्री कैसे बॉर्डर पार कर पाकिस्तान जाना का र्निणय लेती है।कैसे वह अपने को इस मानसिक अवशाद से निकालती है – यह पढ़ना पाठको के लिए काफी रोमांचक है।लेखिका नें अपने इस उपन्यास की लेखन में कई बनी-बनाई राजनीतिक्र सरहदें ध्वस्त करता चलता है, साथ ही अपने मिजाज में नए प्रतिमान भी गढ़ता है।सच तो यह है कि रिश्तों और संघर्ष के बारीक रेशों से बुने गए इस उपन्यास के बारे में चार पंकितयों में समेट कर समीक्षा कर पाना मुशकिल नही नामुमकिन है ।इसका आनंद तो पढ़कर ही उठाया जा सकता है।हकीकत में, इस उपन्यास के प्रत्येक पन्ने पर कई नए किरदार आपको मिलते हैं ।कई बार घर में पड़ी निर्जीव चीजें भी जीवंत होकर अपना आप बीती किस्सा सुनाने लगती हैं।

इस उपन्यास के केंद्र में 80 बरस की एक बृद्ध महिला हैं, जिनके पति की मौत हो चुकी है।इस मौत के बाद वृद्ध कथा नायिका मानसिक अवसाद की शिकार हो जाती हैं।मानसिक आघात इतना गहरा है कि वे अपने कमरे से भी निकलना नहीं चाहतीं,पूरा परिवार उनसे तरह-तरह से मनुहार कर रहा है।बेटा अपने ढंग से और बेटी अपने ढंग से मनाने की कोशिस करती है कि वे कम से कम अपने कमरे से बाहर तो निकलें,लेकिन महिला ने खुद को काले कमरे में बंद कर रखा है कि वे बाहर आने से घबराती हैं।क्रमशः परिवार के साथ वृद्धा नायिका के संवादों में रिश्तों की परतें खुलती जाती हैं।पात्रों की मनोदशा के रेशे-रेशे आपको दिखने लगते हैं,संबंधों की बिल्कुल अजूबी दुनिया से आपका साक्षात्कार होता है।ऐसे ही समय में अचानक वृद्धा नायिका को पाकिस्तान जाने की सूझती है।वहां उन्हें किसी रोजी नाम की स्त्री का कोई सामान सौंपना है ॅइस उपन्यास मे पाठक अपनेआप को महसूस करेंगे कि कैसे यह सामान्य सी महिला की कथा भी है, कैसे सरहदों के आर-पार जाती कहानी भी है और कैसे मानव संबंधों की जटिलता का मनोवैज्ञानिक आख्यान भी है।इतिहास की कहानी तो है ही ।

रिश्तों के ताने-बाने में बुना यह उपन्यास कई मुद्दों पर कटाक्ष भी करता चलता हैॅ भारत से पाकिस्तान तक की यात्रा में समाज की वह उम्मीदें भी दिखने लग जाती हैं जो उसे पारंपरिक रूप से किसी स्त्री से होती हैं।पुलिश की इंसानियत की वजह से उपजने वाला टकराव, पितृसत्ता के खिलाफ बुलंद होती शालीन आवाज से लेकर राजनीति का दोहरापन, पर्यावरण की चिंता, सांप्रदायिकता से पसरता तना, विभाजन प्रेम की आवाज के साथ-साथ इस उपन्यास में भारत-पाकिस्तान की राजनीति भी बेनकाब होती चलती है.

हिंदी की वरिष्ठ लेखिका गीतांजलि श्री के पास एक चमकती हुई भाषा है। शब्द विन्यास के छोटे-छोटे वाक्य हैं.उपन्यास में अधूरे छोड़े गए वाक्य भी संदर्भों को पूरी तरह खोलकर रख देते हैं। 'धम्म से आंसू गिरते हैं जैसे पत्थर. बरसात की बूंद.' जैसे काव्यात्मक वाक्य इस उपन्यास को बिल्कुल नई छटा देते हैं ।

पुरुष्कृति उपन्यास 'रेत समाधि' का ये कुछअंश इस प्रकार है

ठ बेटी का निचला होंठ रुलाई से काँपा और माँ ने उसे गोद में उठा लिया। फिर जो हुआ वो ये कि माँ वो होंठ बन गयी जो काँप रहा था। बेटी का सिर काँधे पर रख उसे बहलाने गुनगुनाने लगी कि वो जो बड़ा सा हाथी है, बैठा है इंतज़ार में कि बेटी आये, उसकी सवारी करे, और दोनों झूम झूम करें, और पत्ते गपशप कर रहे हैं और सुनो सुनो कहानियाँ सुना रहे हैं।बेटी मुस्करा पड़ी। ये हुआ तो माँ वो मुस्कान बन गयी।बेटी की रुलाई धीरे धीरे स्थिर साँसों में बदल गयी और माँ सिसकी से साँस हो गयी।बेटी सो गयी और माँ सलोने सपनों से उसे ओढ़ाती रही।उस पल एक मोहब्बत देहाकार हुई। माँ की साँस खोती चली, बेटी की साँस किलकारने लगी और हाथी की पीठ उल्लास से पुकारने लगी।'

उपन्यास कार गीतांजलि श्री ने कई बार उन्हें पात्रों की तरह पेश किया है।ये निर्जीव पात्र जब सजीव होते हैं और अपना अंतर्द्वंद्व बयां करते हैं तो वह कभी पैबंद (पैच) की तरह नहीं लगते,बल्कि वह उपन्यास का सघन हिस्सा बन जाते हैं ।उपन्यास का ऐसा ही एक हिस्सा गौर करने लायक है ।

ठज़िन्दगी का क्या? छोटे से दायरे में चलना जानती है, जैसे एक पगडण्डी पे जो शुरू हुई नहीं कि ख़तम। पर विशाल विकराल भी जानती है, जैसे पगडण्डी से खुली सड़क पे निकल आये और बड़ी सड़क से जा मिले जो महामार्ग हो, ग्रैंड ट्रंक रोड जैसा ऐतिहासिक हाईवे हो। इनका पगडण्डी से दूर सुदूर जुड़ जाना कहानी में नए मोड़ लाता है, ट्रक ट्रैक्टरों की दहाड़ से पगडण्डी थर्रा जाती है, या सिल्क रूट से चिरकाल से उतारे रेशमी एहसास उसको नरमी से लपेट लेते हैं। पगडण्डी चमत्कृत होती है कि कहाँ से आ रही होंगी ये सड़कें, किन वक़्तों से, काफ़िलों से, सरहदों से। और कहाँ से कहाँ आ गयी मैं, कितने अलग अलग जीवन पार करके। क्या अभी भी वही पगडण्डी हूँ, या उसके भी पहले की ज़रा सी रविश?पर ये सवाल कौन पूछेगा, कब, अभी किसे ख़बर?'

गीतांजलि श्री का लेखन जटिल बुनावटों वाला है. उनके लेखन में बाहर और भीतर की दुनिया एक साथ सधती है. अगर आप उनके लेखन से यह उम्मीद पालते हैं कि कुछ रोमांचक मिलेगा या कोई ऐसा तत्त्व जो आपके अचेतन में पैठे विलास को तुष्ट करेगा तो आपको घोर निराशा होगी. हां अगर आप किसी संवेदनशील विचार-लेखन की सैर करना चाहें, बाहर के शोर और भीतर के सन्नाटे को पहचानना चाहें, बदलावों-ठहरावों के बयार को बारीकी से समझने की मंशा हो, तो उनका लेखन शायद आपकी मदद कर सकता है ।

गीताजंली श्री ने ना केवल हिन्दी प्रेमियों का दिल जीता है बल्कि भारत की इस बेटी मे सम्पूर्ण विश्व में भारत के माथे हिन्दी की विन्दी के सम्पूर्ण विश्व में तिरंगा की आन वान -शान से फहराया है लेकिन दुःख की बात यह है राजनीति सता के गलियारों से बधाई व शुभकामनाए तक नही दी गई लेकिन खबरी लाल अपनी लेखनी से गीताजंली श्री को माँ सरस्वती की मानस पुत्री को शत शत नमन व हृदय की गहराईयों से शुभ कामनाएं देता है। फिलहाल आप से यह कहते हुए विदा लेते है

ना ही काहूँ से दोस्ती ' ना ही काहुँ से बैर । खबरी लाल तो माँगें सब की खैर ।

फिर मिलगें नई सोच नई उम्मीद के संग तीरक्षी नजर से तीखी खबर के संग ।अलविदा ।(लेखक- विनोद तकिया वाला / ईएमएस)

आज का इतिहास 1 जून

1868 अमेरिका के 15 वें राष्ट्रपति जेम्स बुकानन का निधन हुआ.

1874 ईस्ट इंडिया कंपनी भंग कर दी गई.

1930 मुम्बई वी.टी.और पूणे के बीच पहली डीलक्स ट्रेन चली.

1932 फ्रेंज वान पेपेन जर्मनी के चांसलर बने.

1964 आना के बदले नया पैसा का चलन आरम्भ .

1970 एकाधिकार और प्रतिबंधित व्यापार अधिनियम प्रभावी हुआ.

1973 यूनान में सैनिक शासकों ने राजशाही समाप्त कर दी.

1989 प्रसिद्ध उद्घोषक व कमेंटेंटर मेलविल डी.मेलो का निधन.

1996 भूतपूर्व राष्ट्रपति संजीव रेड्डी का निधन.

1996 एच.डी.देवेगोड़ा ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली.

2001 बी.एम.डब्ल्यू. कांड के मुख्य अभियुक्त संजीव नंदा को 45 करोड़ रुपये की जमानत पर विदेश जाने की छूट.

2002 पाकिस्तान स्थित भारतीय उच्चायोग में कार्यरत कर्मचारी कुलवंत सिंह को आई. एस. आई. ने अगवा कर मारपीट की.

2002 दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी हैंसी क्रोंनिये का वायुयान दुर्घटना में निधन.

2003 फ्रांस के एवियान शहर में जी–8 सम्मेलन शुरु.

(1 जून) मातृ पितृ पूजन दिवस

ऐसे ही माता-पिता के सम्मान में आज यानी एक जून 2021 को ग्लोबल पैरेंट्स डे यानी वैश्विक माता-पिता दिवस मनाया जा रहा है। इस दिन को मनाने की आधिकारिक घोषणा साल 2012 में यूएन जनरल असेंबली में हुई थी। ये दिन माता-पिता को समर्पित होता है और इस दिन माता-पिता के प्रति सम्मान प्रकट किया जाता है।

वैसे तो माता पिता आदर-सम्मान, पूजन के लिए किसी दिन विशेष के मौहताज नहीं हैं, लेकिन वर्ष में एक दिन माता पिता पूजन दिव के रूप में मनाया जाने लगा है।आइये जानते हैं माता पिता पूजन दिवस जिसे मातृ पितृ पूजन दिवस के नाम से भी जाना जाता है,

माता पिता पूजन दिवस

वेलेंटाइन डे उस व्यक्ति के प्रति प्यार, स्नेह, सम्मान और देखभाल का उत्सव है जिसे आप प्यार करते हैं।माता-पिता और एक बच्चे की तुलना में कोई बड़ा और शुद्ध प्रेम संबंध नहीं हो सकता है।सच्चे प्यार और सच्चे वेलेंटाइन को अपने निस्वार्थ रूप में मनाने के लिए, माता-पिता पूजा दिवस वेलेंटाइन डे पर मनाया जाता है।

माता-पिता पूजा दिवस बच्चों के दिल और आत्मा में माता-पिता की सेवा करने की सकारात्मक भावना को प्रेरित करता है।

माता पिता पूजन दिवस छोटे गणपति द्वारा भगवान शिव और मां पार्वती की पूजा से प्रेरणा लेता है।प्रचलित कथा के अनुसार एक बार भगवान शंकर और माता पार्वती के दोनों पुत्र गणेश और कार्तिकेय के बीच होड़ लगी कि, कौन बड़ा है? इस बात का निर्णय लेने के लिए शिव-पार्वती जी ने दोनों से कहा कि जो संपूर्ण पृथ्वी की परिक्रमा करके सबसे पहले यहां पहुंचेगा, उसी को बड़ा माना जाएगा।

ये बात सुन भगवान कार्तिकेय अपने वाहन मयूर लेकर पृथ्वी की परिक्रमा करने निकल पड़े। लेकिन भगवान गणेश चुपके से एकांत में जाकर बैठ गए और सोचने लगे। कुछ देर बाद वो उठे और झट से माता पार्वती और पिता शिव के पास जाकर हाथ जोड़कर बैठ गए।भगवान गणेश ने दोनों की आज्ञा लेकर अपने माता-पिता को ऊंचे स्थान पर बिठाया, उनके चरणों की पूजा की और परिक्रमा करने लगे। एक-एक कर भगवान गणेश ने अपने माता-पिता की सात बार परिक्रमा की। ये सब देख माता - पार्वती ने पूछाः वत्स! ये प्रदक्षिणाएँ क्यों की?

इस पर गणेश ने जवाब दिया ठसर्वतीर्थमयी माता, सर्वदेवमयः पिताठ, यानी सारी पृथ्वी की परिक्रमा करने से जो पुण्य होता है, वही पुण्य माता-पिता की परिक्रमा करने से हो जाता है।

माता पिता पूजन दिवस का उद्देश्य भारतीय बच्चों में हमारी भारतीय विरासत के सांस्कृतिक मूल्यों के महत्व को उजागर करना है। माता-पिता पूजा दिवस परिवार के बंधन को मजबूत करने और हमारे माता-पिता के लिए आभारी होने के बारे में है जो वे हमारे लिए निस्वार्थ रूप से करते हैं, हमें सच्चे और शुद्ध प्यार का एक उदाहरण देते हैं।

पेरेंट्स वरशिप डे का दिन अपने माता-पिता को विशेष अनुभव करवाकर मनाया जा सकता है।इस दिन उन्हें आराम से बैठाकर, उनके माथे पर तिलक लगाकर और सुंदर फूल चढ़ाते हुए सम्मान और प्यार के साथ माता-पिता पूजन दिवस की शुभकामनाएं देकर और उनका आशीर्वाद प्राप्त कर मना सकते हैं। साथ ही माता पिता पूजन दिवस के दिन माता-पिता की पूजा करते हुए उनके लंबे और खुशहाल जीवन के लिए प्रार्थना कर सकते हैं।

ठपरमात्मा हमें सुख और दुख दोनों क्षणों के साथ जीवन देता है, लेकिन माता-पिता हमेशा हमें सुखी देखने की कोशिश करते हैं!!ठ मातृ पितृ पूजन दिवस 2022 की शुभकामनाएं ।ठहम बड़ा बनने के रास्ते में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि अक्सर भूल जाते हैं कि वे भी बूढ़े हो चले हैंठ हैप्पी पेरेंट्स वरशिप डे 2022। (लेखक-विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन / ईएमएस)

शब्द पहेली - 7303

बाएँ से दाएँ

1. आदत,स्वभाव-4
4. सुरक्षित-4
7. जरुरतमंद-5
9. भीगा हुआ-2
11. मक्का-मदीना की यात्रा-2
12. सोना,धतुरा-3
14. धक्का देना-4
15. खानाबदोश,बंजारा-4
16. अंधेरा,अंधकार-3
18. खामी,बुरी आदत-2
19. ईसाई साध्वी-2
21. नायक का विलोम-5
25. करिश्मा,करामात-4
26. महीन व मंहगे कपड़े का एक प्रकार -4

ऊपर से नीचे

1. अंग्रेज,विदेशी-3
2. लीन,मगन-2
3. पैंदा,तला-2
4. रिश्तेदार-2
5. थूक,लेस-2
6. तहजीब,सलीका-3
8. देह,काया-3
10. टोने-टोटकों वाली किताब-5
11. स्वदेशवासी -5
12. कपड़े की दीवार-3
13. अनुमान,आकलन-3
17. राजी करना-3
18. चश्मा-3
20. अनुकृति-3
21. पत्र,चिट्ठी-2
22. होठ,अधर-2
23. मृत्यु देवता,यमराज-2
24. बीता हुआ दिन-2

शब्द पहेली -7302 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

नॉर्वे शतरंज : कार्लसन को हराकर चौथे स्थान पर पहुंचे आनंद

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के शीर्ष शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद ने नॉर्वे शतरंज मुकाबले में अच्छा प्रदर्शन करते हुए चौथा स्थान हासिल किया है। आनंद ने ब्लिट्ज वर्ग में नार्वे के विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन को सातवें दौर में पराजित किया। वहीं आनंद को चौथे दौर में नीदरलैंड के अनीश गिरी और नौवें दौर में फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव के हाथों हार का सामना करना पड़ा। इस प्रकार ब्लिट्ज वर्ग में आनंद को पांच अंक मिले। इसमें आनंद ने नॉर्वे के आर्यन तारी को पहले दौर में हराया जबकि दूसरे दौर में वेसली सो से उनका मुकाबला बराबरी पर रहा। तीसरे दौर में उन्होंने वेसलीन टोपालोव को हराया जबकि तैमूर राजाबोव के साथ उनकी बाजी बराबरी पर रही। गिरी से हारने और चीन के हाओ वांग से ड्रॉ खेलने के बाद उन्होंने कार्लसन को हराया पर इसके बाद शखरियार मामेदियारोव से उनका मुकाबला ड्रॉ रहा पर लाग्रेव से वह हार गए। इस दौरान अमेरिका के वेसली सो 6.5 अंक लेकर शीर्ष पर रहे जबकि 5.5 अंकर लेकर कार्लसन दूसरे स्थान पर रहे जबकि गिरी तीसरे स्थान पर रहे।

इलावेनिल , रमिता और श्रेया ने टीम स्पर्धा में स्वर्ण जीता

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत की इलावेनिल वालारिवान, रमिता और श्रेया अग्रवाल ने अजरबैजान में जारी आईएसएसएफ विश्व कप निशानेबाजी में महिलाओं की दस मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। इलावेनिल , रमिता और श्रेया ने डेनमार्क की अन्ना नीलसन, एम्मा कोच और रिक्के माएंग इबसेन को 17-5 से हराया। वहीं पोलैंड को कांस्य पदक मिला।

दुनिया की पूर्व नंबर एक निशानेबाज इलावेनिल , रमिता और श्रेया दो दौर के क्वालीफिकेशन के बाद फाइनल में पहुंची थी। पहले क्वालीफिकेशन में उन्होंने 944.4 अंक बनाकर पहला स्थान हासिल किया था जबकि दूसरे क्वालीफिकेशन में वह दूसरे स्थान पर रही थी , डेनमार्क पहले स्थान पर रही। वहीं दूसरी ओर पुरूषों की एयर राइफल टीम स्पर्धा में भारत के ही रूद्राक्ष पाटिल, पार्थ माखीजा और धनुष श्रीकांत को कांस्य पदक मुकाबले में क्रोएशिया के हाथों 10-16 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम को अभी पदक तालिका में पांचवां स्थान मिला है जबकि सर्बिया की नंबर नंबर एक पर बनी हुई है।

फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में स्वियातेक और पेगुला में होगा मुकाबला

पेरिस (ईएमएस)। विश्व की नंबर एक महिला खिलाड़ी पोलैंड की इगा स्वियातेक फ्रेंच ओपन टेनिस के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी हैं। स्वियातेक ने मैच में शानदार वापसी करते हुए चीन की झेंग किंवेन को 6-7, 6-0, 6-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी। अब इस खिलाड़ी का सामना क्वार्टर फाइनल में 11वीं वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला से होगा पेगुला ने एक अन्य मुकाबले में रोमानिया की इरिना कामेलिया बेगु को 4-6, 6-2, 6-3 से हराया था।

वहीं एक अन्य क्वार्टर फाइनल में रूस की दारिया कासात्किना का मुकाबला वेरोनिका कुदेरमेतोवा से होगा। इसके अलावा अमेरिका की कोको गॉ अपने ही देश की स्लोएने स्टीफेंस का सामना करेंगी जबकि कनाडा की लैला फर्नांडिज अब इटली की मार्तिना ट्रेविसान से खेलेंगी।

अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में व्यस्त रहेगी भारतीय टीम

मुम्बई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बाद अब भारतीय टीम को अगले छह माह तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलना है। टीम इंडिया का अगले छह महीने अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम काफी व्यस्त है। भारतीय टीम सबसे पहले दक्षिण अफ्रीका से द्विपक्षीय सीरीज खेलेगी। इसके बाद उसे एशिया कप 2022, टी20 विश्व कप और इंग्लैंड , आयरलैंड, वेस्टइंडीज, श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज खेलनी है।

भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया में खेले जाने वाले टी20 विश्वकप से पहले तकरीबन 20 टी20 अंतराष्ट्रीय मैच खेलने का अवसर मिलेगा। भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज भी खेलनी है। इस सीरीज के लिए नियमित कप्तान रोहित शर्मा को आराम दिया गया है। ऐसे में लोकेश राहुल टीम की कप्तानी करेंगे। रोहित के अलावा अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भी इंग्लैंड दौरे से पहले तरोताजा होने के लिए आराम दिया है। भारतीय टीम को इंग्लैंड दौरे पर तीन अभ्यास मैच, तीन एकदिवसीय, 3 टी20 और एक टेस्ट खेलना है। यह वही टेस्ट है जो गत वर्ष कोरोना संक्रमण के कारण नहीं हो पाया था।

इसके बाद भारतीय टीम युवा खिलाड़ियों के साथ आयरलैंड दौरे पर दो टी20 मैच डबलिन में खेलेगी। इस दौरे पर कोच के तौर पर वीवीएस लक्ष्मण टीम के साथ रहेंगे। वहीं राहुल द्रविड़ इंग्लैंड में मुख्यकोच के तौर पर टीम पर साथ रहेंगे। आयरलैंड दौरे के बाद भारतीय टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज खेलनी है। यह सीरीज जुलाई में होने की संभावना है और इसमें भारतीय टीम को तीन एकदिवसीय और पांच टी20 मैच खेलने हैं।

भारतीय क्रिकेट टीम का टी20 विश्व कप 2022 तक का कार्यक्रम इस प्रकार है :

भारत और दक्षिण अफ्रीका – जून (5 टी20)
भारत का आयरलैंड दौरा- जून (2 टी20)
भारत का इंग्लैंड दौरा- जून/जुलाई (1 टेस्ट, 3 एकदिवसीय और 3 टी20)
भारत का वेस्टइंडीज दौरा- जुलाई/अगस्त (3 एकदिवसीय, 5 टी20)
भारत का श्रीलंका दौरा- अगस्त (2 टी20)
एशिया कप 2022- अगस्त/सितंबर
भारत और ऑस्ट्रेलिया- सितंबर (3 टी20)
टी20 विश्व कप 2022- अक्टूबर/नवंबर।

गुरुवार को भारत पहुंचेगी दक्षिण अफ्रीकी टीम

मुम्बई (ईएमएस)। टेंबा बावूमा की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीकी टीम गुरुवार को भारत दौरे पर पहुंचेगी। दक्षिण अफ्रीकी टीम अपने इस दौरे में 5 मैचों की घरेलू टी20 सीरीज खेलेगी। यह सीरीज 9 जून से शुरु होगी ओर इसके लिए भारतीय टीम के सभी खिलाड़ियों को 5 जून तक नई दिल्ली पहुंचना होगा। दोनो ही टीमों के बीच सीरीज का पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 9 जून को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होगा।

भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) ने पिछले सप्ताह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के लिए 18 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा की थी। इस दौरे में भारतीय टीम की कप्तानी युवा लोकेश राहुल को सौंपी गयी है जबकि उप कप्तानी की जिम्मेदारी विकेटकीपर ऋषभ पंत को मिली है। . सीरीज का दूसरा टी20 मैच 12 जून को कटक में जबकि तीसरा विशाखापत्तनम में 14 जून को खेला जाएगा। चौथा टी20 17 जून को राजकोट में वहीं सीरीज का पांचवां और आखिरी टी20 19 जून को बैंगलोर में खेला जाएगा।

भारतीय टीमः लोकेश राहुल (कप्तान), ऋतुराज गायकवाड़, ईशान किशन, दीपक हुड्डा, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत (उप कप्तान/विकेटकीपर), दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर) , हार्दिक पंडया, वेंकटेश अय्यर, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, भुवनेश्वर कुमार, हर्षल पटेल, आवेश खान, अर्शदीप सिंह, उमरान मलिक।

दक्षिण अफ्रीकी टीमः टेंबा बावूमा (कप्तान), क्विंटन डिकॉक, रीज हेंड्रिक्स, हेनरिच क्लासेन, केशव महाराज, एडेन मार्करम, डेविड मिलर, लुंबी एंगिडी, एनरिच नोर्खिया, वेन पार्नेल, ड्वेन प्रिटोरियस, कगिसो रबाडा, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टियन स्टब्स, रासी वान डेर डुसन और मार्को यानसेन।

फ्रेंच ओपन : बोपन्ना पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचे

पेरिस (ईएमएस)। भारत के रोहन बोपन्ना पहली बार फ्रेंच ओपन टेनिस के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। बोपन्ना ने नीदरलैंड्स के अपने जोड़ीदार मैटवे मिडेलकोप के साथ युगल मुकाबले के सेमीफाइनल में पहुंचकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। बोपन्ना और मिडेलकोप की जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में लॉयड ग्लासपूल और हेनरी हेलियोवारा की जोड़ी को 4-6, 6-4, 7-6 से हराया। अब सेमीफाइनल में बोपन्ना और मिडेलकोप की जोड़ी का मुकाबला 12वीं वरीयता प्राप्त मार्सेलो अरेवालो और जीन जूलियन रोजर की जोड़ी से होगा।

बोपन्ना सात साल बाद किसी ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। इससे पहले साल 2015 में उन्होंने विंबलडन में अंतिम चार में स्थान बनाया था। ग्लासपूल और हेलियोवारा की जोड़ी ने इस मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला सेट 6-4 से जीता पर इसके बाद बोपन्ना और मिडेलकोप की जोड़ी ने शानदार वापसी करते हुए अगले दोनों सेट 6-4, 76 से जीते। वहीं एक अन्य मुकाबले में विश्व के दूसरे वरीयता प्राप्त रुसी खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव हार के साथ ही फ्रेंच ओपन से बाहर हो गए हैं। मेदवेदेव को विश्व के 23वें नंबर के खिलाड़ी क्रोएशिया के मारिन सिलिक ने सीधे सेटों में 6-2 6-3 6-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनायी। यह मुकाबला एक घंटा 45 मिनट तक चला। अब सिलिक फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं।

पुतिन के पास जीने के लिए सिर्फ दो से तीन साल, शरीर में तेजी से फैल रहा है कैंसर, जासूस का दावा

मॉस्को (ईएमएस)। यूक्रेन-रूस के बीच जारी जंग में व्लादिमीर पुतिन की रणनीति की चर्चा लगातार गर्म हैं। वैसे तो पुतिन देखने में बिल्कुट फिट लगते हैं। उनकी कसी देह की दुनिया कायल भी है, लेकिन इन दिनों रूसी राष्ट्रपति की हेल्थ को लेकर भी बड़ा अपडेट सामने आ रहा है। रूसी खुफिया सूत्रों के हवाले से खबर सामने आई है कि व्लादिमीर पुतिन के पास जीने के लिए अधिकतम दो से तीन साल हैं, क्योंकि उनके शरीर में कैंसर तेजी से फैल रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, रूसी संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) ने यूके में रहने वाले रूस के पूर्व जासूस कारिपिकोव को संदेश भेजकर यह जानकारी दी थी। अधिकारी ने कहा है कि 69 वर्षीय राष्ट्रपति के शरीर में कैंसर तेजी से और एक गंभीर रूप से बढ़ रहा है। अधिकारी ने यह भी कहा कि पुतिन की आंखों की रोशनी जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि उनके पास जिंदा रहने के लिए दो से तीन साल से ज्यादा का समय नहीं है। पूर्व जासूस कारिपिकोव के इस संदेश में लिखा गया था, 'हमें बताया गया है कि उन्हें जोर सिरदर्द होता है। जब वह टीवी पर आते हैं तब उन्हें बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा हुआ पेपर दिया जाता है। अक्षर इतने बड़े होते हैं कि पेज में कुछ ही वाक्य आ पाते हैं। उनकी नजर बहुत तेजी से कम हो रही है। इसके अलावा एक रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि उनके लिंब्स भी धोखा दे रहे हैं।'

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रूसी राष्ट्रपति पुतिन लंबे समय से बीमार हैं। वो कैंसर और पार्किंसंस रोग से परेशान हैं। इसी महीने ऐसी खबरें भी आई थीं कि पुतिन को अपने ऐब्डोमेन से फ्लुइड निकलवाने के लिए सर्जरी करवानी पड़ी थी। बिना किसी गड़बड़ी के उनका ऑपरेशन हो गया था। रूसी राष्ट्रपति ने पिछले हफ्ते सोची में बेलारूसी राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको से मुलाकात की थी। कार्यक्रम के दौरान भी, पुतिन को अजीब तरह से अपने पैरों को घुमाते हुए देखा गया था। दावे के मुताबिक, पुतिन के दो और ऑपरेशन होने हैं। लेकिन, अभी इसकी डेट तय नहीं हो पाई है। रूसी राष्ट्रपति के तेजी से बिगड़ते स्वास्थ्य की बढ़ती अटकलों के बीच अधिकारियों का यह बयान आया है। हालांकि, रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने रविवार को राष्ट्रपति पुतिन के बीमार होने की अटकलों का खंडन करते हुए कहा कि उनको पुतिन की बीमारी के कोई संकेत नहीं मिले हैं।

मलेशिया ने चिकन निर्यात पर प्रतिबंध लगाया, सिंगापुर में पैदा हुआ संकट

क्वालालांपुर (ईएमएस)। मलेशिया घरेलू खाद्य आपूर्ति बढ़ाने के अपने संरक्षणवादी कदम के तहत बुधवार से मुर्गे का निर्यात बंद कर देगा, जिससे पड़ोसी सिंगापुर में संकट पैदा हो गया है, जहां चिकन-चावल एक लोकप्रिय राष्ट्रीय व्यंजन है। मलेशिया के प्रधानमंत्री इस्माइल साबरी याकूब ने पिछले हफ्ते घोषणा की थी कि मलेशिया एक जून से घरेलू कीमतें और उत्पादन स्थिर होने तक प्रति माह 36 लाख मुर्गों के निर्यात पर प्रतिबंध लगाएगा।

इस कदम का सबसे ज्यादा असर सिंगापुर में महसूस किया जा सकता है, जो मलेशिया से अपने पोल्ट्री उत्पादों का एक-तिहाई हिस्सा आयात करता है। चिकन विक्रेताओं ने अनुमान लगाया है कि चिल्ड (बर्फ से नियत तापमान पर ठंडा कर संरक्षित किए गए) चिकन की कीमत 30 प्रतिशत तक बढ़ सकती है, जिससे चिकन से तैयार व्यंजनों की कीमतों में वृद्धि होना तय है। सिंगापुर सरकार ने उपभोक्ताओं से फ्रोजन चिकन और अन्य वैकल्पिक मांस आजमाने का आग्रह किया है। वह ताजा चिकन के लिए नए बाजारों की तलाश कर रही है।

जॉनसन की पार्टी में पार्टीगेट को लेकर उठे बगावती सुर

लंदन (ईएमएस)। ब्रिटेन की सत्तारूढ़ कंजर्वेटिव पार्टी के भीतर संसद के उन सदस्यों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही है, जिन्होंने पार्टीगेट कांड के लेकर अपनी चिंता व्यक्त की है और पार्टी के नेता बोरिस जॉनसन से प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने की मांग कर रहे हैं।

डाउनिंग स्ट्रीट में कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए लगाए लॉकडाउन संबंधी कानूनों को तोड़ते हुए पार्टियां करने के मामले गत सप्ताह एक शीर्ष नौकरशाह स्यु ग्रे की जांच रिपोर्ट प्रकाशित होने के बाद से खुलकर आलोचना करने वाले सांसदों की कुल संख्या बढ़कर 26 हो गई है।

ब्रिटेन के पूर्व कैबिनेट मंत्री और अटॉर्नी जनरल जेरेमी राइट ने एक बयान में कहा जॉनसन को इस और भविष्य की सरकारों के भले के लिए इस्तीफा दे देना चाहिए। वहीं, टोरी से सांसद इलियट कोल्बर्न ने कहा कि वह सुरक्षा और सफाई कर्मचारियों के खराब बर्ताव के खुलासे से स्तब्ध हैं। ग्रे की रिपोर्ट के बाद जॉनसन ने फिर से माफी मांगी और उनकी पार्टी के भीतर ही असंतोष की आवाज तेज हो रही है।

यह खबरें तब आ रही हैं, जब ब्रिटिश मीडिया की खबरों में दावा किया गया है कि जॉनसन की पत्नी कैरी के प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर डाउनिंग स्ट्रीट के फ्लैट में एक अन्य गोपनीय पार्टी के बारे में स्पष्टीकरण देने के लिए हाउस ऑफ कॉमन्स समिति के समक्ष पेश होने की संभावना है।

भाजपा को 2020-21 में 477 करोड़ का चंदा मिला, कांग्रेस को मिले 74 करोड़

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय जनता पार्टी को वित्त वर्ष 2020-21 में 477.5 करोड़ रुपये का चंदा मिला, जबकि विपक्षी कांग्रेस को 74.50 करोड़ रुपये चंदे के रूप में मिले। निर्वाचन आयोग ने दोनों दलों की चंदे से संबंधित रिपोर्ट मंगलवार को सार्वजनिक की। इसके मुताबिक, भाजपा को कई इकाइयों, चुनावी ट्रस्ट और व्यक्तियों से 4,77,54,50,077 रुपये का चंदा मिला। भाजपा ने वित्त वर्ष 2020-21 में मिले चंदे की रिपोर्ट गत 14 मार्च को आयोग को सौंपी थी। कांग्रेस को मिले चंदे की रिपोर्ट के अनुसार, उसे विभिन्न इकाइयों और व्यक्तियों से 74,50,49,731 रुपये का चंदा मिला। आयोग के प्रावधानों के मुताबिक राजनीतिक दलों को 20 हजार रुपये से अधिक के चंदे से जुड़ी जानकारी देनी होती है।

यूरोपीय संघ की मुद्रास्फीति मई में रिकॉर्ड 8.1 प्रतिशत पर पहुंची

रूस-यूक्रेन युद्ध इसका सबसे बड़ा कारण

लंदन (ईएमएस)। यूरो मुद्रा का इस्तेमाल करने वाले यूरोपीय संघ में मुद्रास्फीति मई के महीने में 8.1 प्रतिशत के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। इसके पीछे रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से ईंधन की लागत बढ़ने की अहम है। यूरोप के 19 देशों के इस समूह में मार्च और अप्रैल के महीनों में भी मुद्रास्फीति 7.4 प्रतिशत के उच्च स्तर पर रही थी। यूरोपीय संघ की सांख्यिकीय संस्था यूरोस्टैट ने बताया कि मई, 2022 में ऊर्जा उत्पादों की लागत बढ़ने से मुद्रास्फीति 8.1 प्रतिशत के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। इस दौरान ऊर्जा उत्पादों की कीमतों में 39.2 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई हैं। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद पेट्रोलियम उत्पादों एवं गैस की कीमतें काफी बढ़ गई हैं। प्रमुख तेल एवं गैस निर्यातक रूस पर यूरोपीय देशों ने पाबंदी लगा रखी है, इससे उनकी ऊर्जा लागत बढ़ी है।

महंगाई ने यूरोपीय संघ में रहने वाले 34.3 करोड़ लोगों की जिंदगी को भी मुश्किल बना दिया है। वर्ष 1997 में यूरो मुद्रा के लिए आंकड़े रखे जाने शुरू होने के बाद से यह मुद्रास्फीति का सबसे ऊंचा स्तर है। ऐसी स्थिति में यूरोपीय केंद्रीय बैंक (ईसीबी) के नीति-निर्माताओं के लिए चुनौतियां और बढ़ गई हैं। बढ़ती महंगाई पर काबू पाने के लिए अब उन पर बहुत निचले स्तर पर मौजूद नीतिगत ब्याज दरों में बढ़ोतरी करने का दबाव बढ़ेगा। यूरोस्टैट के आंकड़े बताते हैं कि मई, 2022 में एक साल पहले की तुलना में खाद्य मुद्रास्फीति भी 7.5 प्रतिशत बढ़ी है। इसके अलावा कपड़े, घरेलू उपकरण, कार एवं कंप्यूटर के दाम 4.2 प्रतिशत बढ़े हैं। वहीं सेवाएं भी 3.5 प्रतिशत महंगी हो गई हैं। ये आंकड़े दर्शाते हैं कि रूस-यूक्रेन संकट यूरोपीय देशों की अर्थव्यवस्था के साथ आम जनजीवन पर भी कितना भारी पड़ रहा है। यह अलग बात है कि बढ़ती मुद्रास्फीति का सामना यूरोप के अलावा अमेरिका और भारत जैसे देशों को भी करना पड़ रहा है।

चीन के विदेश मंत्री को लौटना पड़ा बैरंग, ऑस्ट्रेलिया ने दिया झटका

-प्रशांत देशों ने सुरक्षा समझौते को नकारा

बीजिंग (ईएमएस)। चीन की ओर से ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका को घेरने के लिए प्रशांत महासागर के 10 देशों के साथ सुरक्षा समझौता करने की कवायद निष्फल हो गई है। प्रशांत देशों के दौरे पर गए चीन के विदेश मंत्री वांग यी को वहां से बैरंग खाली हाथ लौटना पड़ा है। प्रशांत देशों ने चीन के साथ व्यापार और सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर करने से इंकार कर दिया। वांग यी ने फिजी में 10 देशों के विदेश मंत्रियों के साथ बैठक की लेकिन चीन के साथ सुरक्षा और आर्थिक समझौते पर कोई सहमति नहीं बन पाई।

चीन इन 10 देशों के साथ मुक्त व्यापार, पुलिस सहयोग और आपदा को लेकर व्यापक समझौता करना चाह रहा था। फिजी के प्रधानमंत्री फ्रैंक बेनिमरामा ने कहा कि प्रशांत देश अपने रवैये को लेकर एकजुट हैं। उन्होंने कहा कि हमेशा की तरह से पहले हम अपने 10 देशों के अंदर नए क्षेत्रीय समझौते को लेकर आपसी बातचीत से आम सहमति बनाएंगे। फिजी के प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि वह चीन के साथ जलवायु परिवर्तन और उत्सर्जन घटाने पर ठोस प्रतिबद्धता चाहते हैं। इस बीच फिजी में चीन के राजदूत किआन बो ने कहा कि कुछ प्रशांत देशों ने बीजिंग के व्यापक प्रस्तावों में से कुछ तत्वों पर आपत्ति जताई थी। उन्होंने कहा, 'जिन देशों के साथ हमारे राजनयिक संबंध हैं, उन 10 देशों के लिए आम समर्थन है। लेकिन निश्चित रूप से कुछ विशेष मुद्दों पर कुछ चिंताएं हैं।' चीनी राजदूत ने कहा कि हम अपनी स्थिति जल्द ही साफ करेंगे। उन्होंने कहा कि हम अपने दोस्तों के साथ लगातार संपर्क में हैं।

चीनी राजदूत ने दावा किया कि यह उनके देश की नीति है कि हम किसी अन्य देश पर कुछ भी नहीं थोपते हैं। यह कभी नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि हमने फिजी के साथ तीन समझौते किए हैं, ये सभी आर्थिक विकास को लेकर हैं। चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने कहा कि हम आगे भी बिना राजनीतिक शर्त के प्रशांत महासागर के देशों को सहायता देते रहेंगे।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच ही दिग्गज कंपनियों एचडीएफसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज और इन्फोसिस के शेयरों में बिकवाली हावी होने से बाजार नीचे आया है। इससे साफ है कि जीडीपी के आंकड़े जारी होने से पहले निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। इससे पहले आज सुबह बाजार खुलते ही उसमें गिरावट शुरु हो गयी जो दिन भर बनी रही। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 359.33 अंक करीब 0.64 फीसदी नीचे आकर 55,566.41 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 76.85 अंक तकरीबन 0.46 फीसदी नीचे आकर 16,584.55 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में कोटक महिंद्रा बैंक, सन फार्मा, एचडीएफसी, इन्फोसिस, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, एक्सिस बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक के शेयर गिरे हैं। वहीं, दूसरी ओर महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी, पावरग्रिड, टेक महिंद्रा और टाटा स्टील के शेयरों को लाभ हुआ। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशक घरेलू बाजार में शुद्ध खरीदार रहे। उन्होंने गत दिवस 502.08 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त के साथ बंद हुआ जबकि जापान के निक्की में गिरावट रही। इसके अलावा यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी गिरावट रही।

मौजूदा सत्र में देश में बढ़ी चीनी की मिठास, अब तक रिकॉर्ड 3.524 करोड़ टन उत्पादन

नई दिल्ली (ईएमएस)। वैश्विक स्तर पर सबसे बड़े चीनी उत्पादक एवं दूसरे बड़े निर्यातक देश भारत में इस बार चीनी की मिठास बढ़ गई है। चीनी का उत्पादन मौजूदा विपणन वर्ष 2021-22 में 30 मई तक 15 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 3.524 करोड़ टन हो गया। चीनी क्षेत्र की सहकारी संस्था एनएफसीएसएफएल ने मंगलवार को जारी आंकड़ों में बताया कि महाराष्ट्र और कर्नाटक में अधिक उत्पादन होने से इस विपणन वर्ष में अब तक रिकॉर्ड चीनी उत्पादन हुआ है। एक साल पहले की समान अवधि में चीनी उत्पादन 3.063 करोड़ टन रहा था। चीनी विपणन वर्ष अक्टूबर से शुरू होकर सितंबर तक चलता है। इसका मतलब है कि अक्टूबर 2021 से 30 मई, 2022 के दौरान देश में कुल 3.524 करोड़ टन चीनी का उत्पादन हुआ है जो अब तक का रिकॉर्ड है।

राष्ट्रीय सहकारी चीनी मिल लि. महासंघ (एनएफसीएसएफएल) के आंकड़ों के मुताबिक, मौजूदा चीनी सत्र के बाकी बचे हुए समय में चार-पांच लाख टन अतिरिक्त चीनी का उत्पादन होने की संभावना है। देश के सबसे बड़े चीनी उत्पादक राज्य महाराष्ट्र में चीनी का उत्पादन 30 मई तक 1.368 करोड़ टन रहा जबकि एक साल पहले समान अवधि में 1.063 करोड़ टन का उत्पादन हुआ था। कर्नाटक में भी चीनी उत्पादन बढ़कर 59.2 करोड़ टन पर पहुंच गया जबकि पिछले साल 30 मई तक 42.5 लाख टन चीनी पैदा हुई थी। हालांकि दूसरे बड़े चीनी उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश में चीनी उत्पादन पिछले साल की तुलना में कम रहा है। एक साल पहले के 1.101 करोड़ टन की तुलना में इस बार उत्तर प्रदेश में 1.022 करोड़ टन चीनी का उत्पादन हुआ है।

ग्लोबल मार्केट के दबाव के चलते सोने की कीमतों में दर्ज की गई मामूली गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। ग्लोबल मार्केट के दबाव में मंगलवार सुबह सोने की कीमतों में मामूली गिरावट देखी गई। सोना अभी अपने हाई रेट से करीब 6 हजार रुपये सस्ता बिक रहा है। चांदी की कीमतों में भी आज गिरावट देखी गई और भाव 62 हजार के नीचे आ गए। मल्टीकमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर मंगलवार सुबह 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने का वायदा भाव 14 रुपए गिरकर 56,901 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गया।

इससे पहले सोने में ट्रेडिंग की शुरुआत लगभग इसी स्तर पर हुई और निवेशकों की बिकवाली से कुछ ही देर में वायदा भाव पिछले सत्र से 0।03 फीसदी नीचे आ गए। सोने का भाव भी अपने हाई रेट से करीब 6 हजार रुपए सस्ता चल रहा है। मार्च की शुरुआत में सोने की कीमत 57 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब पहुंच गई थी।

सोने की तर्ज पर चांदी का वायदा कारोबार भी कमजोर दिख रहा है। एमसीएक्स पर सुबह चांदी का वायदा भाव 320 रुपये घटकर 61,562 रुपये प्रति किग्रा पहुंच गया। इससे पहले चांदी का भाव 61,597 रुपए पर खुला और मांग घटने पर जल्द ही पिछले भाव से 0।52 फीसदी गिरकर कारोबार करने लगा। चांदी का भी मौजूदा रेट उसके हाई से करीब 12 हजार रुपये कम चल रहा है।

मार्च की शुरुआत में चांदी का वायदा भाव 73 हजार के ऊपर चल रहा था। आज सुबह ग्लोबल मार्केट में भी सोने और चांदी के भाव में उतार-चढ़ाव दिख रहा है। सोने की कीमत जहां मामूली रुपए से बढ़ी है, वहीं चांदी में गिरावट आई है। सुबह अमेरिकी बाजार में सोने का हाजिर भाव 1,852.63 डॉलर प्रति औंस रहा जो पिछले रेट से 0.01 फीसदी अधिक है।

सेबी ने बदले आईपीओ में बोली लगाने के नियम, सब्सक्रिप्शन बढ़ाने को बोली लगाने वालों पर लगेगी लगाम

नई दिल्ली (ईएमएस)। बाजार नियामक सेबी ने आईपीओ में बोली लगाने के नियम में बड़ा बदलाव कर दिया है। अब वही निवेशक पब्लिक इश्यू के लिए बोली लगा सकेंगे, जो वास्तव में कंपनी के शेयर खरीदना चाहते हैं। यह नियम सभी तरह के निवेशकों के लिए लागू किया गया है। दरअसल, सेबी को इस बात की जानकारी मिली थी कि कुछ संस्थागत और अमीर निवेशक (एचएनआई) सिर्फ आईपीओ का सब्सक्रिप्शन बढ़ाने के लिए उसमें बोली लगा रहे हैं। उनका मकसद शेयरों में निवेश करना नहीं था।

नए नियम से सब्सक्रिप्शन डेटा बढ़ाने के लिए बोली लगाने पर रोक लग जाएगी। नए नियम 1 सितंबर, 2022 से लागू होंगे। सेबी ने इस बारे में एक सर्कुलर जारी किया है। सर्कुलर में कहा गया है कि आईपीओ के आवेदन को तभी प्रोसेस किया जाएगा, जब उसके लिए जरूरी फंड निवेशकों के बैंक खाते में उपलब्ध होगा। बाजार नियामक सर्कुलर के मुताबिक, स्टॉक एक्सचेंज अपने इलेक्ट्रॉनिक बुक बिल्डिंग प्लेटफॉर्म पर एएसबीए आवेदन को तभी स्वीकार करेंगे, जब उसके साथ मनी ब्लॉक होने का कन्फर्मेशन होगा। नया नियम सभी तरह के निवेशकों पर लागू होगा।

आईपीओ में बोली लगाने के लिए खुदरा, पात्र-संस्थागत खरीदार (क्यूआईबी), गैर-संस्थागत निवेशक (एनआईआई) जैसी श्रेणी बनाई गई

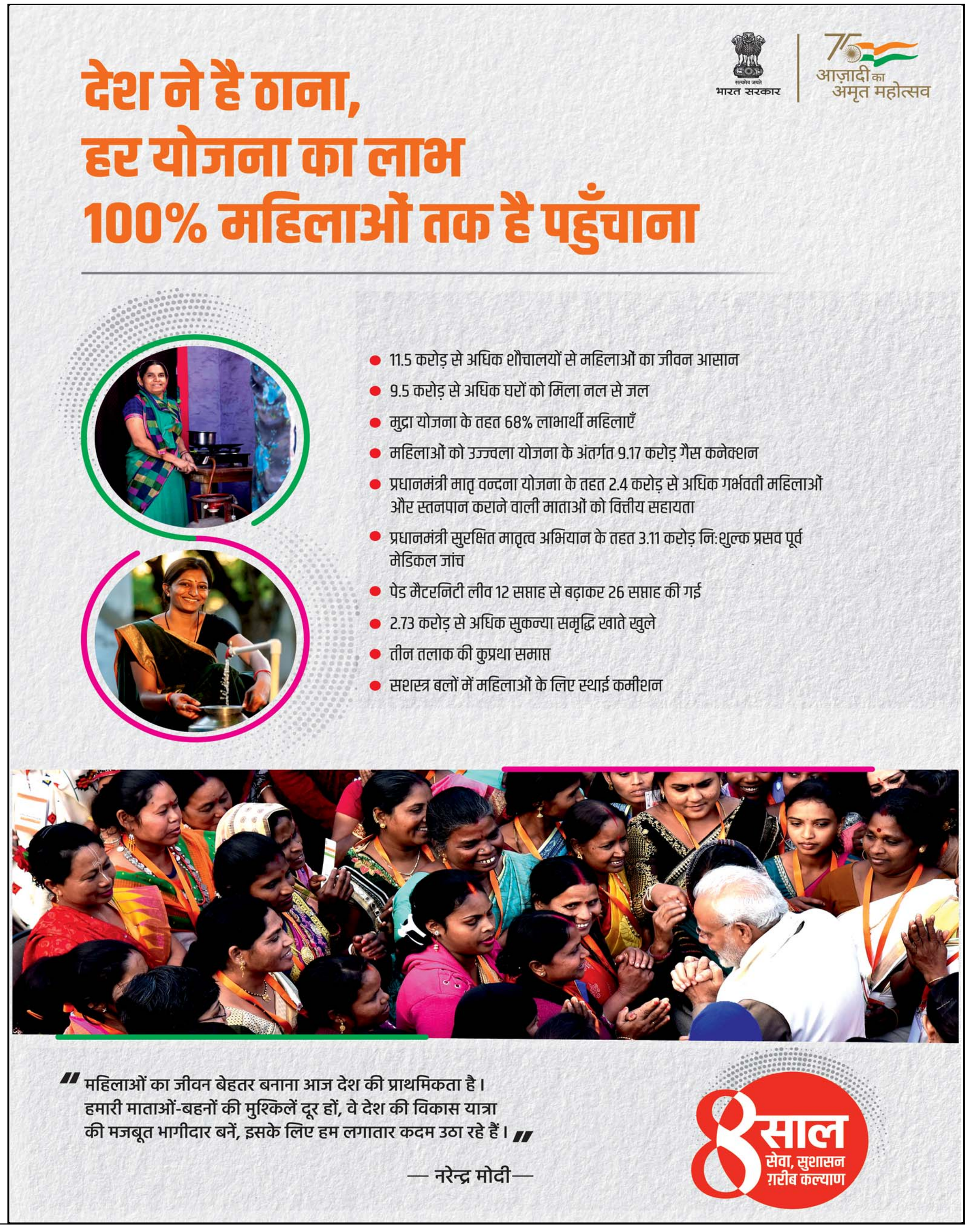

आज से महात्मा मंदिर में दो दिवसीय 'नेशनल कॉन्फ्स ऑफ़ स्कूल एजुकेशन मिनिस्टर' का आयोजन

अहमदाबाद (ईएमएस) भारत सरकार के डिपार्टमेंट ऑफ़ स्कूल एजुकेशन एंड लिटरेसी, शिक्षा मंत्रालय तथा गुजरात के शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्त्वाधान में गांधीनगर के महात्मा मंदिर में दिनांक 1 और 2 जून, 2022 को दो दिवसीय 'नेशनल कॉन्फ्स ऑफ़ स्कूल एजुकेशन मिनिस्टर' बैठक का आयोजन किया जाएगा। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के करकमलों तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान, गुजरात के शिक्षा मंत्री कुबेरभाई डिंडोर सहित देश भर के शिक्षा मंत्रियों की प्रेरक उपस्थिति में दो दिवसीय कॉन्फ्सर का शुभारंभ होगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के स्टीयरिंग कमेटी के अध्यक्ष श्री के. कस्तूरीरंगन उपस्थित रहेंगे। इस बारे में शिक्षा विभाग द्वारा कहा गया है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के डिजीटल इंडिया के सपने को साकार करते हुए तकनीक के माध्यम से समग्र गुजरात की शिक्षा में आमूलचूल परिवर्तन लाने वाले शिक्षा विभाग के अंतर्गत चेतना केंद्र समान विद्या समीक्षा केंद्र स्थापित किया गया था। गत दिनांक 18 अप्रैल 2022 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस विद्या समीक्षा केंद्र का दौरा करने के बाद कहा था कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को लागू करने के लिए विद्या समीक्षा केंद्र जैसे संस्थान महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते है। इसके उपलक्ष्य में देश में पहली बार गांधीनगर के विद्या समीक्षा केंद्र में दो दिवसीय कॉन्फ्स का आयोजन किया गया है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा इस कॉन्फ्स में उपस्थित रहने के लिए सभी राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों को विधिवत् रूप से निमंत्रण दिया गया है। इस कॉन्फ्स में भाग लेने के लिए अधिकतर राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों के शिक्षा मंत्रियों, शिक्षा सचिवों तथा अन्य प्रतिनिधी मंडल उपस्थित रहने वाले हैं। इस कॉन्फ्स में दिनांक 1 जून को देशभर में से उपस्थित रहने वाले महानुभावों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने के लिए टेक्नोलॉजी के माध्यम से शिक्षा एवं सुशासन का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए कॉन्फ्स के हृदय समान विद्या समीक्षा केंद्र से संपूर्ण जानकारी दी जाएगी। जिसमें विद्या समीक्षा केंद्र की गतिविधियों तथा कार्यप्रणाली को रूबरू देखने और समझने के साथ विद्या समीक्षा केंद्र किस प्रकार से पूरे गजरात की शिक्षा का मोनिटरिंग करता है, बच्चों को दी जाने वाली शिक्षा की गुणवत्ता किस प्रकार से दिन प्रतिदिन प्रगति कर रहा है, उसको डेटा आधारित प्रत्यक्ष देखने के लिए केंद्र के शिक्षा प्रधान सहित तमाम महानुभाव पूरे दिन में अलग-अलग टीम बनाकर विद्या समीक्षा केंद्र का दौरा करेंगे। इसके अलावा गांधीनगर में स्थित बायगैस, नेशनल फॉरेन्सिक यूनिवर्सिटी तथा इंटरनेशनल ऑटोमोबाइल सेंटर ऑफ़ एक्सेलन्स (आईएसीइ) का भी दौरा करेंगे। यह सभी महानुभाव रात को मुख्यमंत्री के साथ शिष्टाचार भेंट भी करेंगे। जबकि 2 जून को इस कार्यक्रम के अंतर्गत महात्मा मंदिर में विधिवत् कॉन्फ्स आयोजित होगा। जिसमें उद्घाटन से लेकर अन्य चर्चा, गोष्ठी और प्रेजेंटेशन आदि विभिन्न कार्यक्रम पूरे दिन आयोजित होंगे। इसमें नेशनल एजुकेशन पोलिसी-2020, गुजरात में शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत श्रेष्ठ योजनाएं, राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने, नेशनल एजुकेशन टेक्नोलॉजी फॉरम (ऊिंइ), नेशनल डिजीटल एजुकेशन आर्किटेक्चर (ऊिँ) आदि विषय पर चर्चा तथा प्रेजेन्टेशन प्रस्तुत किया जाएगा। साथ ही इस कार्यक्रम में पधारे हुए विभिन्न राज्यों के शिक्षा मंत्री एक-दूसरे के साथ चर्चा कर अपने अपने राज्यों में बच्चों की शिक्षा के लिए उठाए गए सकारात्मक और महत्वपूर्ण कदमों के बारे में आदान-प्रदान करेंगे। इसके माध्यम से समग्र देश के छात्रों को महत्वपूर्ण शिक्षा परियोजनाओं और विभिन्न योजनाओं का लाभ मिल सकेगा।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने

'गरीब कल्याण सम्मेलन' को किया संबोधित

कल्याण और सुशासन को समर्पण के आठ साल

माननीय प्रधानमंत्री के संबोधन का सीधा प्रसारण पश्चिम रेलवे के 184 स्थानों पर हुआ

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 31 मई, 2022 को शिमला, हिमाचल प्रदेश में आयोजित किए गए 'गरीब कल्याण सम्मेलन' से राष्ट्र को संबोधित किया। केंद्र सरकार के आठ वर्ष पूरे होने पर इस जन कार्यक्रम का आयोजन राज्यों की राजधानियों, जिला मुख्यालय और देश भर के कृषि विज्ञान केंद्रों पर किया गया। इस महत्वपूर्ण अवसर का आयोजन जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ लाभार्थियों से राष्ट्रव्यापी संवाद करके न केवल इसके प्रभाव को देखने, बल्कि सरकार के इन कल्याणकारी कार्यक्रमों को बेहतर बनाने हेतु चर्चा करने के लिए भी किया गया, ताकि सम्मानपूर्वक जीवन प्रदान करने के साथ-साथ राष्ट्र को और आगे सामाजिक-आर्थिक उत्थान के लिए तैयार किया जा सके। भारत सरकार के माननीय रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव पश्चिम बंगाल से इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री सुमित ठाकुर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार समारोह का टेलीकास्ट/ब्रॉडकास्ट पश्चिम रेलवे के अंतर्गत 184 स्थानों पर किया गया। भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं पर बनी फिल्मों का प्रसारण विभिन्न स्टेशनों, रेलवे कार्यालयों, कारखानों आदि पर किया गया। रेलवे स्टेशनों और कार्यस्थलों पर माननीय प्रधानमंत्री के संबोधन को सार्वजनिक संबोधन प्रणाली पर भी प्रसारित किया गया। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखा गया कि ट्रेन संबंधी जनउद्घोषणा बाधित न हो। पश्चिम रेलवे पर इस कार्यक्रम का प्रसारण 341 टीवी स्क्रीनों पर किया गया, जिसे 1,05,598 दर्शकों ने देखा तथा 184 स्थानों पर इसका सीधा ब्रॉडकास्ट किया गया, जिसे 1.67 लाख श्रोताओं ने सुना।

दुर्गम एवं सुदूरवर्ती क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाकर स्वस्थ भारत के निर्माण में वरदान साबित हुए हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर

- आज हमारा ध्यान केवल स्वास्थ्य पर ही नहीं बल्कि कल्याण पर भी है: प्रधानमंत्री

अहमदाबाद (ईएमएस) स्वास्थ्य सेवाएं जब शहरी और ग्रामीण नागरिकों के अलावा दुर्गम क्षेत्रों तक आसानी से पहुंचेगी, तभी सच्चे अर्थ में स्वस्थ भारत का निर्माण संभव है। स्वस्थ भारत के निर्माण के लिए स्वस्थ नागरिक और स्वस्थ समाज का निर्माण अत्यावश्यक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तायुक्त और सातत्यपूर्ण तरीके से प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। ग्रामीण स्तर पर मृत्यु दर और रोगों की रोकथाम के साथ-साथ स्वास्थ्य देखभाल में होने वाले खर्च को कम करने तथा गैर-संचारी रोगों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से देश में 'आयुष्मान भारत – हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर' की पहल शुरू की गई है। प्रधानमंत्री ने 14 अप्रैल, 2018 को छत्तीसगढ़ से हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के पायलट प्रोजेक्ट की शुरुआत की थी। वर्ष 2022 तक देश में 1 लाख 50 हजार हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर कार्यान्वित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। आज पूरे देश में 25 मई, 2022 की स्थिति के अनुसार 1 लाख 18 हजार 488 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर कार्यान्वित हो चुके हैं। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मजबूत नेतृत्व और स्वास्थ्य मंत्री श्री ऋषिकेश पटेल के मार्गदर्शन में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के क्षेत्र में गुजरात ने श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 7523 (107ऽ) सेंटर कार्यरत कर देशभर में पहला स्थान प्राप्त किया है। हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में गर्भावस्था एवं प्रसव के दौरान देखभाल, नवजात और शिशु स्वास्थ्य देखभाल, परिवार नियोजन, गर्भ निरोधक सेवाएं, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत संचारी रोगों का उपचार, सामान्य बीमारियों का ओपीडी उपचार, गैर-संचारी रोगों की जांच, रोकथाम और प्रबंधन, कान, नाक और गले (ईएनटी) से संबंधित देखभाल, वृद्धावस्था स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं, आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं, मानसिक बीमारियों की जांच और बुनियादी उपचार जैसी 12 तरह की बीमारियों का निदान और उपचार किया जाता है। वर्तमान जीवन शैली के अनुसार स्वस्थ जीवन के लिए वेलनेस गतिविधियों के अंतर्गत योग को भी शामिल किया गया है। राज्य के हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में 7,30,25,033 मरीजों ने ओपीडी सेवा का लाभ उठाया है। इसके अंतर्गत 1,74,66,704 मरीजों की डायाबिटीज स्क्रीनिंग, 1,84,07,460 मरीजों की उच्च रक्तचाप (हाई बीपी) स्क्रीनिंग, 1,48,86,020 मरीजों की मुंह के कैंसर की स्क्रीनिंग, 68,39,633 मरीजों की स्तन कैंसर स्क्रीनिंग और 62,63,486 मरीजों की सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग की गई है। हाल ही में आयुष्मान भारत – हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर की चौथी वर्षगांठ के अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुखभाई मांडविया ने देश के 1 लाख से अधिक हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों में 'टेली कंसल्टिंग' यानी टेली-परामर्श सेवा की शुरुआत की। टेली परामर्श कार्यक्रम को ई-संजीवनी प्लेटफॉर्म से जोड़ा गया है।

साउथ कोरिया में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं 11 प्रतियोगी; वर्ल्डस्किल्स 2022 के लिए एक साथ सीख कर बढ़ा रहे हैं अपना कौशल

भारत ने कोरिया के ह्यूमन रिसोर्सेज़ डेवलपमेंट सेर्विस ऑफ़ कोरिया **(HRDK)** द्वारा आयोजित कौशल प्रतियोगिता हेतु कोरिया स्किल ट्रांसफर फॉर एस्पायरिंग रीजन **(K-STAR)** कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम में भाग लेने के लिए साउथ कोरिया में 11 ट्रेनीज़ को भेजा है जिससे उनकी पीयर लर्निंग और प्रतिस्पर्धा में सुधार होगा। यह कार्यक्रम 23 मई 2022 को शुरू हुआ है और 3 जून 2022 तक रिपब्लिक ऑफ़ कोरिया, ऺ्य के ग्लोबल इंस्टीटयूट फॉर ट्रांसफरिंग स्किल्स **(GIFTS)** में चलेगा।

कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम का उद्देश्य उन प्रतिभागियों के कौशल और दक्षताओं को बढ़ाना है जोकि अक्टूबर 2022 में होने वाली वर्ल्डस्किल्स शंघाई की तैयारी कर रहे हैं। **K-STAR** भारतीय छात्रों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार कौशल प्रशिक्षण प्राप्त करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है और वर्ल्ड स्किल्स में जीतने के करीब लाता है। वर्ल्ड स्किल्स कौशल प्रतियोगिताओं का वैश्विक बेंचमार्क है जो 65 से अधिक देशों के प्रतिभागियों को एक साथ लाता है।

'सबको अन्न, सबको पोषण' मंत्र को सार्थक कर रही है 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना

अहमदाबाद (ईएमएस) 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाय)' लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपने 'सबको अन्न, सबको पोषण' को सार्थक तथा साकार कर रही है। कोविड 19 की महामारी के दौरान किसी भी गरीब को भूखा न सोना पड़े तथा सभी ज़रूरतमंदों को अनाज उपलब्ध हो; इस उद्देश्य से श्री प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में गत अप्रैल 2020 से इस पीएमजीकेएवाय योजना का शुभारंभ किया गया था। गुजरात सरकार द्वारा दिनांक 1 अप्रैल, 2016 से समग्र राज्य में 'राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 (नेशनल फूड सिक्युरिटी एक्ट-2013)' यानि एनएफएसए क्रियान्वित है, जिसके अंतर्गत राज्य के 'अंत्योदय अन्न योजना' (एएवाय)' के अंतर्गत शामिल राशन कार्ड धारकों तथा 'प्राथमिकता वाले राशन कार्ड धारकों (प्रायोरिटी हाउस होल्ड)' यानि पीएचएच को शामिल किया गया है। राज्य में इस अधिनियम के अंतर्गत अंत्योदय अन्न योजना के परिवारों को हर महीने प्रति राशन कार्ड 25 किलोग्राम गेहूँ व 10 किलोग्राम चावल सहित कुल 35 किलोग्राम अनाज दिया जाता है। इसमें गेहूँ 2/- रुपए प्रति किलोग्राम तथा चावल 3/- रुपए प्रति किलोग्राम के भाव से दिया जाता है। इसी प्रकार 'प्राथमिकता वाले परिवारों' के सदस्यों को हर महीने प्रति व्यक्ति 3.5 किलोग्राम गेहूँ व 1.5 किलोग्राम चावल सहित कुल 5 किलोग्राम अनाज दिया जाता है। इसमें गेहूँ 2/- रुपए प्रति किलोग्राम तथा चावल 3/- रुपए प्रति किलोग्राम के भाव से दिया जाता है। अर्थात् परिवार में चार सदस्य हों, तो मासिक 14 किलोग्राम गेहूँ व 6 किलोग्राम चावल सहित कुल 20 किलोग्राम अनाज दिया जाता है। पीएमजीकेएवाय के अंतर्गत समग्र राज्य में 'राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013(एनएफएसए)' के अंतर्गत समाविष्ट लगभग 71 लाख परिवारों की 3.48 करोड़ जनसंख्या को राहत दर पर देय अनाज के अलावा प्रति व्यक्ति 5 किलोग्राम निःशुल्कअनाज वितरण का लाभ मिलता है। गुजरात राज्य में प्रति व्यक्ति 3.5 किलोग्राम गेहूँ तथा 1.5 किलोग्राम चावल सहित कुल 5 किलोग्राम अनाज का निःशुल्क वितरण किया जाता है। इस योजना के प्रथम चरण में अप्रैल से जून 2020; इन तीन महीनों तथा दूसरे चरण में जुलाई से नवम्बर 2020; इन पाँच महीनों के दौरान हर महीने प्रति व्यक्ति 3.500 किलोग्राम गेहूँ तथा 1.500 किलोग्राम चावल सहित कुल 5 किलोग्राम अनाज और प्रति परिवार 1 किलोग्राम चने का निःशुल्क वितरण किया गया। इस प्रकार अप्रैल से नवम्बर 2020; इन कुल 8 महीनों के दौरान औसत 63 लाख 57 हज़ार लाभार्थियों को कुल 12.76 मैट्रिक टन अनाज तथा 50 हज़ार मैट्रिक टन चने का वितरण किया गया।

वर्ष 2021-22 के दौरान कोरोना की दूसरी लहर के कारण उत्पन्न स्थिति के चलते केन्द्र सरकार द्वारा इस योजना को पुनः लागू किया गया, जिसके अंतर्गत तीसरे चरण में मई से जून 2021 एवं चौथे चरण में जुलाई से नवम्बर 2021; इन पाँच महीनों और पाँचवें चरण में दिसम्बर 2021 से मार्च 2022; इन चार महीनों सहित समग्र वर्ष यानि मई 2021 से मार्च 2022; इन कुल 11 महीनों के लिए 'राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013' में शामिल किए गए 70 लाख राशन कार्ड धारकों की 3.45 करोड़ जनसंख्या को राहत दर पर देय नियमित राशन के लाभों के अलावा हर महीने प्रति व्यक्ति 3.500 किलोग्राम गेहूँ व 1.500 किलोग्राम चावल सहित कुल 5 किलोग्राम अतिरिक्त अनाज के निःशुल्क वितरण का लाभ दिया गया है।

आईआरडीएआई ने डेनॉन रिस्क पर पंजीकरण के बिना बीमा मध्यस्थ के रूप में गलत तरीके से कार्य करने के लिए 10 लाख रुपये जुर्माना लगाया

बीमा नियामक आईआरडीएआई ने पंजीकरण के बिना बीमा मध्यस्थ के रूप में कार्य करने के लिए डेनॉन रिस्क सर्विसेज पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। आदेश के अनुसार, आईआरडीएआई को एक निजी कंपनी से एक ईमेल मिला, जिसमें डेनॉन की पंजीकरण स्थिति के बारे में पूछताछ की गई, क्योंकि उनसे विमानन बीमा व्यवसाय के संबंध में सेवाओं की पेशकश करने के लिए संपर्क किया गया था।

चूंकि इकाई नियामक के साथ पंजीकृत नहीं थी, इसलिए उसने ठएयरोस्पेस (आरई) बीमा सेवाओंठ की पेशकश के आधार पर डेनॉन से स्पष्टीकरण मांगा, जिस पर डेनॉन ने यह कहकर जवाब दिया कि इसकी सेवाओं में बीमा व्यवसाय शामिल नहीं है।

मामले को जांच के लिए भेजते हुए, आईआरडीएआई ने अपने आदेश में कहा कि डेनॉन ने एयरोस्पेस (आरई) बीमा में ग्लोबल इंश्योरेंस मार्केट्स तक पहुंच की पेशकश की थी, जो केवल एक पंजीकृत पुनर्बीमा/ कंपोजिट ब्रोकर ही कर सकता है और डेनॉन के साथ हुई बातचीत के अनुसार, इसने प्राधिकरण के साथ पंजीकृत हुए बिना ऐसी सेवाओं की पेशकश करके बीमा मध्यस्थ की क्षमता में कार्य किया, जो बीमा अधिनियम, 1938 की धारा 42 डी (8) का उल्लंघन है।

मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं के लाभार्थियों के साथ किया सीधा संवाद

- गांधीनगर के महात्मा मंदिर में आयोजित हुआ राज्य स्तरीय गरीब कल्याण सम्मेलन-

गांधीनगर (ईएमएस) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने गरीबों और वंचितों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को शिमला से देशव्यापी गरीब कल्याण सम्मेलन के अंतर्गत जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों के साथ सीधा संवाद किया। इस अवसर पर उन्होंने 'पीएम-किसान' योजना की 11वीं किस्त में 10 करोड़ से अधिक लाभार्थी किसानों के बैंक खाते में 21 हजार करोड़ रुपए से अधिक राशि जमा की। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में राज्यस्तरीय गरीब कल्याण सम्मेलन मंगलवार को गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में आयोजित हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने केंद्र प्रायोजित तेरह योजनाओं के लाभार्थियों के साथ सीधा संवाद किया। मुख्यमंत्री ने केंद्र तथा राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने वालों से सीख लेकर बाकी बचे नागरिकों से भी इन योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने लाभार्थी परिवारों से अपने बच्चों को शिक्षित करने का अनुरोध करते हुए कहा कि आज के दौर में शिक्षा ही उन्नति का मार्ग है। इसलिए शिक्षा के लिए सरकार आपके साथ है और हमेशा रहेगी, ऐसे में आपका भी यह कर्तव्य है कि बच्चों को पढ़ाएं-लिखाएं। इसलिए जरा भी चिंता करने की जरूरत नहीं है। इस मौके पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सरकार की विभिन्न योजनाओं के गुजरात के लाभार्थियों के साथ सीधा संवाद किया। जिसमें प्रधानमंत्री आवास योजना, पीएम आवास योजना, पीएम उज्जवला योजना, आयुष्यमान भारत योजना, जननी सुरक्षा योजना, वन नेशन वन राशन कार्ड. प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि जैसी योजनाओं के लाभार्थियों से सीधा संवाद किया और राज्य के नागरिकों से इसका लाभ लेने का अनुरोध किया

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95